पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 3, अंक 28 | माह - जुलाई 2021, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥ विचार समिति ॥

(स्थापना वर्ष 2003)

10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया में 1100 वृक्षारोपण

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष
मो. 9009780020

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष
मो. 8462880439

आकांक्षा मलैया
सचिव
मो. 9165422888

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

पता - 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि. के पीछे, सागर (म.प्र.) - 470002

हेल्पलाइन नं. 9575737475, 07582-224488

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 3, अंक - 28, जुलाई - 2021

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि.
के पीछे, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002
Email: sanstha.vichar@gmail.com
Phone: 9575737475
07582-224488

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट
पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,
रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

अनुक्रमाणिका

लेख :-

1. शिक्षा में परिवर्तन 'एक विचार' 4

विचार संस्था की गतिविधियां :-

1. 10वीं बटालियन को हरा-भरा बनाने हेतु विचार समिति द्वारा 1100 वृक्षारोपण 7
2. वृक्ष मित्र अभियान 2021 - दानदाता सूची 9
3. विचार समिति ने बनाया मियावाकी वन........................ 14
4. विचार समिति ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में लगाया दुर्लभ गरूड़ वृक्ष.. 16
5. यूपीईएस की पहल के अंतर्गत विचार समिति द्वारा चलाई जा रही इंटर्नशिप का उत्तराखंड के सीएम ने किया शुभारंभ.. 17
6. विचार समिति के अंतर्गत इंटर्नशिप कर रहे छात्र 18

मीडिया कवरेज 20

शिक्षा में परिवर्तन - "एक विचार"

– आर. के. वैद्य, प्राचार्य एक्सीलेंस स्कूल, सागर

शिक्षा किसी भी देश की प्रगति का मूल आधार होती है यदि किसी देश का भविष्य देखना है तो उसकी जन्म कुण्डली न देखकर उसके शिक्षा मंदिरों को देख ले आपको भविष्य दिख जायेगा। हम भारत का वर्तमान शैक्षिक परिदृष्य देखें तो तीन प्रकार की संस्थायें शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहीं है तीनों की अपनी-अपनी विशेषताएं एवं समस्याएं है।

आइए देखें क्या है –

1. शासकीय विद्यालय – सभी की पहुंच में है, शिक्षा पूर्णतः निःशुल्क है, बहुत सारे प्रोत्साहन हैं जिसमें निःशुल्क पुस्तकें, गणवेश, मध्यान्ह भोजन आदि। इनमें लोगों का विश्वास कम है खासकर प्रारंभिक शिक्षा में तो इनमें पढ़ाने वाले शिक्षक भी अपने बच्चों को पढ़ाना पसंद नहीं करते। इनकी कई समस्यायें है साथ ही विशेषतायें हैं। शिक्षक उच्च शिक्षा प्राप्त प्रशिक्षित, उच्चवेतन विशेषतायें है। शाला के प्रति समर्पण का आभाव, गैर-शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों को व्यस्त रखना, सभी विषयों को अच्छे से पढ़ाने वाले शिक्षकों का आभाव, शिक्षकों का मुख्यालय पर न रहना, नगरीय संस्थाओं में शिक्षकों की अधिकता एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों का आभाव ये समस्यायें है।

2. उच्च गुणवता के निजी विद्यालय – निजी विद्यालयों में 10 से 20 प्रतिशत ऐसी शालायें है जिन्होंने अपना स्तर बनाकर रखा है। इसमें बहुत सारी संस्थायें है, जिन्होंने इन शालाओं को व्यवसाय के लिये ही खोला है। शुल्क 1000 से लाखों में है। इन विद्यालयों में प्रवेश एक सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। प्रवेश उच्च आय वर्ग एवं पहुंच वालों को ही मिल पाते है। मध्यम वर्ग इनका लोभ नही छोड़ पाता एवं सदैव शुल्क को लेकर प्रलाप करता रहता है। शिक्षक उच्च योग्यता के हैं साथ ही शिक्षण भी उच्च कोटि का है शिक्षकों के वेतन भी ठीक-ठीक है। कई शालाओं में शासकीय संस्थानों से भी ज्यादा है परंतु इनकी संख्या 1 प्रतिशत भी नहीं होगी।

3. तीसरे वे विद्यालय है जो पूर्णतः व्यवसाय के लिए संचालित है। आम लोगों की पहुंच में है शुल्क 100 रू. से लेकर 1000 तक है। मजदूर वर्ग भी आपके बच्चों को इनमें प्रविष्ट कराकर गर्व करने लगता है कि हमारा बच्चा भी प्राइवेट स्कूल में पढ़ने जाता है। यूनिफार्म में टाई-बेल्ट लगाकर वो भी आपके बच्चे पर गर्व कर लेते है। इन शालाओं को नियमित शुल्क प्राप्त करना एक कठिन समस्या होती है। अधिकांश शिक्षक अल्प भोगी होते है। शिक्षा का स्तर भी ठीक-ठीक ही होता हैं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम में सबसे ज्यादा परेशानी इन्हीं शालाओं को आयी है। ये तो हुई परिदृष्य की बात पर जब भी आम नागरिक बात करता है तो तीनों प्रकार की शालाओं की आलोचना करके अपना कर्तव्य कर लेता हैं। बुद्धिजीवी वर्ग शिक्षा पर और अधिक बजट बढ़ाने की मांग करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेता है और अधिक हुआ तो विश्व के आंकड़े उनके शिक्षा पर होने वाले खर्चों की तुलना कर मौजूदा सरकार को कोश कर अपने कर्तव्य का और अधिक पालन कर लेता है। कभी और अधिक हुआ तो यह भी बताना शुरू कर देता है कि वैश्विक परिदृष्य एवं रैंकिग में हम कहां है आदि-आदि। कुछ संस्थायें है जो

आगे आकर इस क्षेत्र में बिना किसी विज्ञापन के कार्य कर रही है। और अच्छे कार्य कर रही है। कोई आधार भूत संरचना में सहयोग कर रहा है कोई पुस्तकालय की स्थापना कर रहा है ''अक्षय पात्र'' संस्था है वो एमडीएम में सहयोग कर रही है तो कई शिक्षकों को प्रशिक्षण में सहयोग कर रहा है।

इन सबके बाद भी हम विश्व के श्रेष्ठ, सीईओ, वैज्ञानिक, डॉक्टर देने में सफल हो रहे हैं यह सबसे बड़ी बात है।

आइए अब हम विचार करें कि एक भारतीय होने के नाते किस प्रकार से इसमें मदद कर सकते हैं।

एक समानांतर व्यवस्था बनाकर हम अपने उद्देश्य में सफल होंगे इसमें शंका है बल्कि जो है उसे हम सर्वश्रेष्ठ बना दें तो यह हमारी सबसे बड़ी सेवा होगी।

शासन ने पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से इतने सारे स्कूल खोल दिये हैं कि इनमें पर्याप्त बच्चे ही प्रवेश नहीं ले रहे शिक्षा के अधिकार अधिनियम में न्यूनतम 2 शिक्षक होना आवश्यक है। हजारों की संख्या में ऐसी शालायें है जिनमें कुल दर्ज 100 के नीचे है। नियमित शाला आने वाले बच्चों की संख्या 50-60 होती है, ऐसे में न तो प्रत्येक कक्षा के हिसाब से शिक्षक उपलब्ध होते हैं एवं न ही वो गुणवत्ता आ पाती है। देर से ही सही इस वर्ष सी एम राइस के नाम से इस गलती को सुधारने का प्रयास किया है एवं 8-10 किलो मीटर की परिधि में एक बड़ा स्कूल जिसमें सारी सुविधायें परिवहन सहित होंगी एवं प्रत्येक कक्षा एवं विषय के शिक्षक होगें ऐसी योजना हैं-

आइए अब हम विचार करते है कि हम किस प्रकार से संपूर्ण व्यवस्था में सहभागी वन सकते हैं।

■ अपने क्षेत्र में किसी एक शाला का चुनाव कर लें जो न्यूनतम हाई स्कूल तक होगी।

■ इस शाला के संसाधनों में अपने संसाधन मिला कर उसके आधार भूत ढांचे को ठीक करेगें जैसे रंग रोगन शौचालय, फर्नीचर, बाउण्ड्री, बगीचा आदि।

■ शाला प्रबंधन के साथ बैठकर एक व्यापक कार्ययोजना इसके लिए तैयार करना, जो वर्तमान में उस शाला में है, उसे और अधिक बेहतर बनाने का प्रयास करना हैं।

■ शिक्षण में मदद करना- हो सकता है शाला में शिक्षक पर्याप्त हों परंतु सभी विषयों का शिक्षण वो भी कर सकते है ये संभव न हो इसके लिए हमे सपोर्ट देना।

■ इसके लिये आरंभ में हमे बच्चों की प्रत्येक विषय की परीक्षा लेकर यह आंकलन करना होगा कि किस विषय में समस्या है उस विषय को पढ़ाने वाला शिक्षक हम उपलब्ध करायेगें उसका भुगतान हमारी समिति करेगी। समिति दो भागों में शाला के उन्नयन में सहयोग करेगी।

अनावर्ती मद- यह व्यय एक बार करना होगा इसमें अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर बाउण्ड्री, वगीचा, पेयजल, शौचालय, आदि सम्मिलित होंगे।

आवर्ती व्यय – शाला परिचालन से संबंधित व्यय इसमें समाहित होंगे।

आवर्ती व्यय एक ऐसा मद है जिसमें हमें निरंतर राशि की आवश्यकता होगी यह बहुत बड़ी राशि नहीं होगी परंतु नियमित इसकी पूर्ति की योजना बनानी होगी। उदाहरण के लिए हम अच्छा एमडीएम देना चाहते है। शासन उसके लिए मानलो 5 रू. प्रति बच्चा देती है और 8 रू. हमारी मद का व्यय है औसत 25 दिन शाला के मानकर 75 रू. छात्र माह, वर्ष भर में 3×200 = दिवस 600 रू. । अब कोई व्यक्ति 10 छात्रों को सहायता देना चाहता है तो वर्ष भर में 6000/- रू. व्यय होगा। कोई एक को तो

600 रू. इस प्रकार से हमें नियमित दानदाता चाहिए होंगे। जन्मदिन, पुण्य तिथि आदि को हम इनमे बदल सकते है और एक बड़ी संख्या दान-दाताओं की हमारे साथ आ जायेगी।

दूसरा शिक्षक की व्यवस्था, यदि हमारे पास ऐसे लोग है जो समय दान कर सकते है। तो ठीक अन्यथा हम अच्छे से अच्छे शिक्षक को उपलब्ध करायेगें और उसे ठीक-ठीक वेतन भी देंगे उसके लिए भी नियमित दानदाता खोजना होंगे। कोई 1 सप्ताह का वेतन, कोई एक माह का, कोई पूरे वर्ष भर का वेतन इसमें दे सकता है। इसके लिए शाला प्रबंधन के साथ एक बैठक करना होगी जिसमें हमारी समिति, पालक एवं संस्था के शिक्षक होंगे उसमें एक विजन तय करना होगा। आज जैसा स्कूल है एवं बाद में इसे हम कैसा देखना चाहते है यह विजन अभ्यास से होगा। इसके वाद उपलब्ध संसाधनों से प्राप्त होने वाले संभावित दान से हम प्राथमिकतायें तय करके शाला के विकास की विस्तृत योजना बनायेंगे। इसमें आगामी 5-10 वर्ष की भी योजना हो सकती है जिसमें खेल, मैदान, छात्र-छात्राओं को परिवहन की सुविधा अच्छा फर्नीचर आदि शामिल होंगे। जो शासन से विधायक, सांसद निधि आदि से मिल सकता है, सबको मिलाकर योजना बनाना होगी।

तत्कालिक रूप से जो हम कर सकते है, वो निम्न बिन्दु होंगें -

1. शिक्षण में सहायता - उपलब्ध शिक्षकों में जिस विषय के अध्यापन में कमी होगी उसकी प्रतिपूर्ति करना।
2. अंग्रेजी, संस्कृत दोनों के स्पोकन के लिए प्रयास करना।
3. यह ध्यान रहे कि केवल 1 प्रतिशत लोगों को ही शासकीय नौकरी मिलती है अतः व्यावसायिक शिक्षा में क्षेत्र को पहचानना और औसत-छात्र को उसके लिए तैयार करना।
4. दूरस्थ अंचल के बच्चों को खासकर जिनके माता-पिता रोजगार के लिए महानगरों में जाते है इनके बच्चों के लिए आवास की सुविधा प्रदान करना ।
5. शासन मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराती है जो बहुत अच्छा प्रबंधन चाहता है इसको बहुत अच्छे से किया जा सकता है, सारे बच्चों को टिफिन पैक करके दिया जा सकता है समिति इसमें कुछ राशि अपनी ओर से मिलाकर बहुत अच्छे से इसे लागू कर सकती है।
6. एक बड़ा सा किचिन वार्डन शाला परिसर या उसके आसपास की जमीन पर विकसित किया जा सकता है जिसमें सीजनल फल सब्जियों का व्यापक उत्पादन किया जा सकता है जो कुपोषण की समस्या को दूर करेगा।
7. अभी एमडीएम- 1 से 8 तक के छात्र/छात्राओं को है यदि 10वीं तक की शाला है तो समिति सभी को एमडीएम देगी एवं डे-वोर्डिंग की तर्ज पर एमडीएम दिया जायेगा।
8. खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों में मदद की जा सकती है।

एक चीज को ध्यान दें हम किसी संस्थान को जैसा देखना चाहते है उसकी कल्पना आज और अभी से करना शुरू करें वो निश्चित रूप से भविष्य में हमारे सामने उसी स्वरूप में आ जाती है यह मेरा दृढ़ विश्वास है । आइए आज और अभी से हम एक अच्छे संस्थान की कल्पना करें और सब मिलकर इसको साकार करें।

10वीं बटालियन को हरा-भरा बनाने हेतु विचार समिति द्वारा 1100 वृक्षारोपण

वृक्षारोपण करते हुए विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया, सचिव आकांक्षा मलैया, बटालियन के समीर सौरभ (आईपीएस) कमांडेंट, उप कमांडेंट आरती सिंह व विचार सेवक।

विचार समिति ने 10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया की परेड मैदान पहाड़ी में 1100 पौधों का वृक्षारोपण किया। विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण इस स्थान को वृक्षारोपण के लिए समिति द्वारा तैयार किया गया है। वृक्षारोपण के लिए समिति ने 4-6 फुट के पेड़ मंगाए हैं। पेड़ लगाने के लिए 3 फीट का गड्ढा किया गया है जिसमें तालाब की मिट्टी डाली गई है। पेड़ के साथ एक डब्बा लगाया गया है ताकि पानी डालने पर लंबे समय तक नमी बनी रहे। हर पेड़ के साथ दानदाता के नाम की तख्ती लगाई गई है। समिति द्वारा हर पेड़ को साल में 8 बार खाद दी जाएगी। कोरोना की स्थिति को देखते हुए सभी वृक्ष मित्रों को वृक्षारोपण स्थल पर आमंत्रित नहीं किया गया । पेड़ पौधों में पानी देने व संरक्षित रखने की जबाबदारी 10वीं वाहिनी विसबल ने ली है। वृक्षारोपण दो स्थानों पर किया गया है जिनके नाम संकल्प वन व ओशो वन रखे गए हैं। ज्ञातव्य हो कि विचार समिति द्वारा मंगलगिरि की पहाड़ी पर 7100 वृक्ष लगाए गए थे, जो लहलहा रहे हैं।

विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि समिति शहर में लोगों व प्रकृति के पर्यावरण सुधार के हर कार्य को सदा तत्पर है।

इस पुनीत कार्य के प्रेरक बने बटालियन के समीर सौरभ (आईपीएस) कमांडेंट जिनकी

4 से 6 फीट के पौधे रोपे, साल में 8 बार डालेंगे खाद

10वां वाहिनी विसबल मकरोनिया की परेड मैदान में वृक्षारोपण करती हुई विचार टीम।

बहुत प्रेरणा थी की यह क्षेत्र हरा भरा बने। इनके सुझाव पर पहाड़ के कटाव को रोकने एवं जल संरक्षण के लिए लंबे-लंबे ट्रेंच बनाए गए है। इस वृक्षारोपण को संपन्न करने में बटालियन से उप कमांडेंट आरती सिंह, सहायक कमांडेंट अमित कुमार बट्टी, सहायक कमांडेंट शिवाली चतुर्वेदी, मुख्य समवाय रविन्द्र साहू एवं बल के जवानों का विशेष सहयोग रहा।

इस महाअभियान में मार्गदर्शक श्रीयांश जैन व राजेश सिंघई, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मुख्य संगठक नितिन पटेरिया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, कोषाध्यक्ष विनय मलैया, मनोज राय, हाकिम दाऊ, ज्योति जैन, विजयंत सिंघई, विनोद विश्वकर्मा, राम मिश्रा आदि लोगों का प्रत्यक्ष व परोक्ष सहयोग रहा है।

सहयोगी वृक्ष मित्र दानदाता –

इस वृक्षारोपण में स्टेट बैंक की तरफ से क्षेत्रीय प्रबंधक गोविंद अहिरवार ने 100 वृक्ष, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सागर मेन अध्यक्ष निधि सुभाष जैन 200 वृक्ष, भारत विकास परिषद अध्यक्ष संजीव कठल 50 वृक्ष, स्व. सीताराम तिवारी की स्मृति में 50 वृक्ष, स्व. श्रीमंत नरेश चंद जैन की स्मृति में 50 वृक्ष, संहिता दुबे बिटिया कपिल दुबे 50 वृक्ष, नीलांबरी हुरकट 50 वृक्ष, श्याम सुंदर स्वर्ण लता मिश्रा जी 50 ने वृक्ष दिए है। सुरेन्द्र जैन मालथौन, आनंद मोना जैन, रोटेरियन आशीष अग्रवाल, एडवोकेट पीसी नायक, शेफाली स्वदेश जैन, सुदीप जैन, अनूप जैन वर्षा, अखिल जैन, मुकेश लिटिल जंक्शन, मीना सुनील जैन, ऋतु पराग जैन का भी वृक्षदान उल्लेखनीय रहा।

वृक्ष मित्र अभियान 2021 - दानदाता सूची

"वृक्ष मित्र अभियान 2021"					
तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम	तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम	तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम
1	अशोक कुमार मिश्रा जी	51	विनोद विश्वकर्मा जी	104	श्री शिव कुमार ठाकुर जी
2	विवेक श्रीवास्तव जी	52	पहाड़ सिंह जी	105	श्रीमति सीमा तिवारी जी
3	अपार सूद जी	53	कामेश खरे जी	106	श्री अनिल तिवारी जी
4	रिधिमा जैन जी	54	कामेश खरे जी	107	श्री दिनेश कुमार अहिरवार जी
5	रिदम जैन जी	55	देवी बाई w/o राजाराम सिंह जी	108	श्रीमति कुसुम लता वर्मा जी
6	श्रेया शाह जी	56	विज्ञन यादव जी	109	कु. साक्षी, हर्ष वर्मा जी
7	श्रीमति अंशु शाह जी	57	विज्ञन यादव जी	110	सोनिया कोरी जी
8	विनोद सोनकर जी	58	विनोद सेन जी	111	पंकज राधिका आठ्या जी
9	पं. पन्नालाल जी साहित्याचार्य जी	59	विनोद सेन जी	126	श्री रामकिशन पचौरी जी
10	चौधरी प्रमोद कुमार जैन जी	60	मनोज श्रीवास्तव जी	127	श्रीमति विमला पचौरी जी
11	श्रीमति राजकुमारी जैन जी	61	योगेश यादव जी	128	श्री वेदांत पचौरी जी
12	इंजीनियर रोहित जैन जी	62	योगेश यादव जी	129	श्रीमति ज्योति पचौरी जी
13	प्रो. एम. के. जैन जी	63-66	नीतेश सोनी जी	130	श्री आशुतोष श्रीवास्तव जी
14	श्री महेश मलैया जी	67	सुरेश लोधी जी	131	श्री नेत्रराम भौंडेले जी
15	श्रीमति सरोज मलैया जी	68	मोहित सिंह जी	132	श्री अनुरुद्ध सिंह ठाकुर जी
16	श्री कपिल मलैया जी	69	प्रदीप शुक्ला जी	133	श्री राजेश कुमार विश्वकर्मा जी
17	श्रीमती प्रीति मलैया जी	70	प्रदीप शुक्ला जी	134	श्री माधव राव शिन्दे जी
18	कु. आकांक्षा मलैया जी	71	राजेश पटैल जी	135	श्रीमति शशी ठाकुर जी
19	कु. अनुष्का मलैया जी	72	राजेश पटैल जी	136	आराध्या राजपूत जी
20	श्रीमती सुनीता जैन (अरिहंत) जी	73	दीपेन्द्र सिंह ठाकुर जी	137	श्री श्रीयांश गुप्ता जी
21	श्री सौरभ रांधेलिया जी	74	दीपेन्द्र सिंह ठाकुर जी	138	श्री शैलेन्द्र यादव जी
22	श्री राजेश सिंघई जी	75	सचिन जैन जी	139	श्री बहादुर खान जी
23	श्री श्रीयांश जैन जी	76	ऋषभ जैन जी	140	श्रीमति हसीना खान जी
24	श्री नितिन पटैरिया जी	77	निधि ताम्रकार जी	141	श्री देवराज यादव जी
25	श्री हरगोविंद विश्व जी	78	निष्ठा मिश्रा जी	142	श्री हुकुमचंद आठ्या जी
26	श्री आर. पी. श्रीवास्तव जी	79	रामकुमार जी	143	स्व श्री पुरषोत्तम लाल आठ्या जी
27	अम्बीका प्रसाद श्रीवास्तव जी (सी.बी.आई.)	80	गोविन्द पवार जी	144	श्री गोपीलाल आठ्या जी
28	अखिलेश समैया जी	81	अनिल विश्वकर्मा जी	145	स्व श्री धनीराम आठ्या जी
29	श्रीमति ज्योति सराफ जी	82	शालिकराम जी	146	स्व. श्री शंकरलाल आठ्या जी
30	श्री शैलेन्द्र राजपूत जी	83	रघुनन्दन जी	147	स्व. परमा बाई जी
31	श्री रामकृष्ण मिश्रा जी	84	अरविन्द पटैल जी	148	श्री रामचरण सुनीता आठ्या जी
32	श्री आकाश जैन जी (आदिनाथ हार्डवेयर)	85	नौशाद खान जी	149	स्व श्री पूरन लाल चढ़ार जी
33	श्री विजयंत सिंघई जी	86	आशिक खान जी	150	स्व. रतिराम आठ्या जी
34	राजेश मलैया जी	87	रहवर खान जी	151	मनोज श्रीवास्तव जी
35	स्वर्गीय आशारानी मलैया जी	88	कृपाराम पटैल जी	152	सुरेश लोधी जी
36	राजेश मलैया जी	89	चैनसींग जी	153	हेमन्त कुशवाहा जी
37	श्रीमति शेफाली मलैया जी	90	अनश खान जी	154	नरेश रैकवार जी
38	आदित्य मलैया जी	91	राज विश्वकर्मा जी	155	साहब सिंह ठाकुर जी
39	अनुषा मलैया जी	92	पुरषोत्तम कुर्मी जी	156	विनोद रैकवार जी
40	श्रेणिक कुमार मलैया जी	93	जाहिद खान जी	157	विनोद रैकवार जी
41	मुक्ति मंजूषा मलैया जी	94	इसरार जी	158	विनोद रैकवार जी
42	शालिनी मलैया जी	95	नितिन सोनी जी	159	प्रियंक जैन जी
43	श्री कार्तिक मलैया जी	96	बलराम सोनी जी	160	सुनील जैन जी
44	श्री ऋतिक मलैया जी	97	इनाया खान जी	161	राधेश्याम रैकवार जी
45	श्री दिनेश कुमार मलैया जी	98	खुशबू खान जी	162	राधेश्याम रैकवार जी
46	संध्या मलैया जी	99	नसीर भाईजान जी	163	चंद्रभान सिंह सेंगर जी
47	श्री वर्धमान मलैया जी	100	तेजराम विश्वकर्मा जी	164	मनोज दुबे जी
48	वन्दिता मलैया जी	101	श्री दीपक विश्वकर्मा जी	165	शकील भाई जी
49	विवान मलैया जी	102	श्रीमति तृप्ति श्रीवास्तव जी	166	श्रीमति समीम बानो w/o शकील भाई जी
50	श्रीमति शुभांगी निशांत जैन जी	103	पी. सी. ठाकुर जी	167	ढाकन लाल कोष्टी जी

तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम	तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम	तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम
168	विनोद विश्वकर्मा जी	245	श्री ऋषभ सिंघई जी	311	श्रीमति लक्ष्मी जैन जी
169	श्रीमति बर्निस W/o विनोद विश्वकर्मा जी	246	श्री सुब्रत सिंघई जी	312	कु. परिधि जैन जी
170	कु. एना D/O विनोद विश्वकर्मा जी	247	श्री महेश प्रताप सिंघई जी	313	श्रीमति सरला पदमचंद जैन जी
171	कु. एविगेल D/O विनोद विश्वकर्मा जी	248	श्रीमति आशा सिंघई जी	314	श्री संजय जैन पार्षद जी
172	दीक्षा w/o अभिषेक द्विवेदी जी	249	अवि सिंघई जी	315	डॉ.नीरज जैन जी
173	श्रीमति नेहा w/o लेट कपिल जी	250	मास्टर प्रियम सिंघई जी	316	डॉ. दीपिका जैन जी
174	कु. दीप्ती D/O पी. आर. विश्वकर्मा जी	251-254	श्री दादा दरबार मंदिर	317	डॉ. टिंकल डॉ. रौली जैन जी
175	डॉ. पी. आर. विश्वकर्मा जी	255	श्री बारेलाल रजक जी	318	इंजी. सचिन पलक जैन जी
176	आर. के. शुक्ला जी	256	श्रीमति आशारानी रजक जी	319	कु. शान्वी जैन जी
177	मंजू शुक्ला जी	257	श्री भरत चौरसिया जी	320	कु. विद्रयांशी जैन जी
178	श्री अभिषेक जैन जी	258	श्रीमति सुनीता चौरसिया जी	321	श्री राकेश बजाज जी
179	श्री स्वदेश कुमार जैन जी	259	श्री अमित बुधोलिया जी	322	श्रीमति मंजू बजाज जी
180	श्री अभिनय जैन जी	260	श्री अमित बुधोलिया जी	323	श्रीमति रितु जैन जी
181	अनीता जैन जी	261	श्री अमित बुधोलिया जी	324	श्रीमति ज्योति जैन जी
182	आयुषी जैन जी	262	श्री अमित बुधोलिया जी	325	श्री आशीष चौधरी जी
183-186	श्री राजेश जैन जी	263	श्री विक्रांत देवस्कर जी	326-375	स्व. श्री सीताराम तिवारी जी (राजा बिलहरा)
187	श्री जगदीश यादव जी	264	श्री सिलवानुस इक्का जी	376	श्री ऋषि सराफ जी
188	श्री माधव एम्बुलेंस जी	265	फ्रेंकलिन एनथोनी जी	377	श्री हीरालाल जैन जी
189	श्री पुष्पेन्द्र दुबे जी (कुमार सागर)	266	श्री पुष्प कुमार मौर्य जी	378	श्री पारस हीरालाल जैन जी
190	श्रीमति पुष्पा दुबे जी W/O पुष्पेन्द्र दुबे जी	267	श्री प्रशांत जैन जी	379	श्री अवनीश जैन जी
191	श्री राजेश कुशवाहा जी	268	श्री प्रशांत जैन जी	380	श्रीमति मिली जैन जी
192	श्रीमति केशकाली कुशवाहा जी	269	श्री विनोद कुमार जैन जी	381	श्रीमति लिली जैन जी
193	श्री पुरसोत्तम प्रजापति जी	270	श्रीमति सुनीता जैन जी	382	श्री धीरज जी
194	श्री विकास प्रजापति जी	271	श्री मयंक जैन जी	383	कु. मिनी जैन जी
195	श्री जयकुमार जैन जी	272	श्री कुंदन राजपूत जी	384	कु. शिविका जैन जी
196	श्री जयकुमार जैन जी	273	श्री रम्मू साहू जी	385	श्री सिद्धार्थ जैन जी
197	अंकिता जैन जी	274	श्री फ़्लोरी पीटर जी	386	मणिप्रभा जैन जी
198	श्री अखिल जैन जी	275	श्री सी. पी. लखेरा जी	387	शिवानी जैन जी
199	श्री अखिल जैन जी	276	श्री सी. पी. लखेरा जी	388	श्री सुकमाल जैन जी
200	श्री अखिल जैन जी	277	श्री महेंद्र कुमार कुशवाहा जी	389	डॉ. आशा जैन जी
201-210	श्री अशोक सुंदरानी जी	278	श्री प्रवीण जैन जी	390	डॉ. एन. के. जैन जी
226	श्री अजय पिंजवानी जी	279	श्री आशीष पाठक जी	391	श्री अनीता जैन जी
227	श्री ब्रजेश महेश्वरी जी	280	श्री अनंत पाठक जी	392	श्रीमति ज्योति नायक जी
228	कु. निधि यादव जी	281	श्री शौर्य पाठक जी	393	श्रीमती सुमन जैन जी
229	कु. अनिका यादव जी	282	श्री पीताम्बर पाठक जी	394	श्रीमति अलका दिवाकर जी
230	कु. नेहा यादव जी	283	श्री मनोज राय जी	395	श्रीमति मोहनी नितिन जैन जी
231	कु. निशा यादव जी	284	श्रीमति रश्मि राय जी	396	श्रीमति रश्मि रुचिर जैन जी
232	श्री निर्मल कुमार जैन जी	285	श्रीमति दीप्ति पिम्प्लापुरे जी	397	मास्टर रूबल जैन कु. रूही जैन जी
233	श्रीमती सरोज जैन जी	286-295	शशि सतपुत्रे जी	398	कु. द्रष्टि जैन जी
234	स्व. श्री दीपक चौरसिया जी	296	श्रीमति ममता पुरषोत्तम रजक जी	399	मास्टर दिव्य जैन जी
235	श्रीमति कमल चौरसिया जी	301	श्री एस. सी. जैन जी अध्यक्ष, जैन मिलन मकरोनिया	400	श्री बंटी मोठीया जी
236	स्व. श्री भगवती प्रसाद चौरसिया जी	302	श्रीमति रीता जैन एस. सी. जैन जी	401	मनोज कुमार जैन जी (एच.एस मेडीको)
237	श्रीमति वीणा चौरसिया जी	303	श्री अनिकेत जैन जी एस. सी. जैन जी	402	श्रीमति शांति देवी स्व. हुकुमचंद जैन जी
238	सुशीला जैन जी	304	श्रीमति गोल्डी जैन W/O अनुराग जैन जी	403	श्रीमति प्रीति मनोज जैन जी (एच.एस मेडीको)
239	श्रीमति आभा जैन जी	305	श्रीमति वर्षा जैन जी	404	कु. पलक मनोज जैन (एच.एस मेडीको)
240	कु. अदिति जैन जी	306	अदिती चौधरी जी	405	मास्टर तेजस मनोज जैन जी (एच.एस मेडीको)
241	कु. प्रज्ञा जैन जी	307	कु. दर्शिता, इशिता सिंघई जी	406	मनोज जिनेन्द्र कुमार जैन जी (आदिनाथ मेडीको)
242	मास्टर आगम जैन जी	308	श्रीमति प्रमिला जैन जी	407	सरिता जिनेन्द्र कुमार जैन जी (आदिनाथ मेडीको)
243	श्री पुरषोत्तम दास सेठ जी	309	स्व. श्रीमति कलाबती दीक्षित जी	408	मास्टर संदर्भ जिनेन्द्र कुमार जैन जी (आदिनाथ मेडीको)
244	स्व.. श्रीमति गेंदा देवी सेठ जी	310	श्री आर्जव जैन जी	409	मिस तनिष्का जिनेन्द्र कुमार जैन जी (आदिनाथ मेडीको)

तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम	तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम	तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम
410	आलोक चौधरी जैन जी	476	श्री अशोक जैन वीर, एड. रश्मिऋतु जैन जी	532	मार्शल खान जी
411	श्रीमति विद्या आलोक चौधरी जैन जी	477	नीरज अनीभा मनोरया जी	533	श्री मनोज काकाडे जी
412	श्रीमति अर्चना हेमंत खाद जी	478	कु. आन्या, इतीशा मनोरया जी	534	श्री अनिल कुमार टीजी जी
413	हेमंत खाद जी	479	श्री अरविन्द डॉ. नेहा बंडी जी	535	श्री गजेन्द्र सिंह जी
414	मास्टर ओजस जिनेन्द्र जैन जी	480	मास्टर अर्नव, ईरा बंडी जी	536	श्री श्रीपद जोगीपेठकर जी
415	श्रीमति रजनी जिनेन्द्र जैन जी	481	अरविन्द मुक्ता सिंघई जी	537	श्री अरुणेश कुमार पाण्डेय जी
416	मास्टर बाहुबली विनीत सिंघई जी (ताले वाले)	482	अरुण संगीता सिंघई जी	538	श्री जावेद देसाई जी
417	विनीत रमेश चंद जी (ताले वाले)	483	अतुल नीतू सिंघई जी	539	श्री प्रशांत कुमार बाथे जी
418	श्रीयांश जैन जी (संग सेल्स)	484	संदीप आकांक्षा अर्नव जैन जी	540	रवी शंकर दलाई जी
419	शोभना जयकुमार जैन (राजश्री पात्र हाउस)	485	एड. रश्मि ऋतु जैन जी	541	श्री रोहित जी
420	राजकुमार जैन जी (राजश्री पात्र हाउस)	486	कु. प्राथू सिंघई अबिन सिंघई जी	542	कृत जैन जी
421	परिचित जयकुमार जैन जी (अर्हम श्री)	487	विनोद आभा विनी जैन जी	543	गीथा वेंकटेश्वरन जी
422	श्रीमति स्वाति परिचित जैन जी (अर्हम श्री)	488	राबिन, चैताली मास्टर जैरी जी	544	तौसिफ जमाल अंसारी जी
423	प्रेक्षा परिचित जैन जी (अर्हम श्री)	489	पार्थ, विशाखा सिंघई जी	545	श्री मानवेन्द्र सिंह जी
424	श्रीमति शुभांगी निशांत जैन जी	490	कु. जैनम सिंघई शरण्म् सिंघई जी	546	श्री शंकर लखानी जी
425	निशांत अशोक कुमार जैन जी	491	कु. कोशिकी सिंघई स्वस्ति सिंघई जी	547	श्री नीरज विद्याकांत झा जी
426	मास्टर शुभांशु मुकेश कुमार जैन जी	492	रोहित राशी जैन जी	548	श्री मनीषा श्रीवास्तव जी
427	श्रीमति सुनीता मुकेश कुमार जैन जी	493	आशी, ताशी जैन जी	549	डॉ. जयश्री चौकसे जी
428	मुकेश कुमार ताराचंद जैन जी	494	श्रीमति ममता सुन्दरलाल रैकवार जी	550	श्रीमति रीता मिश्रा जी
429-439	एम. आर. ढाका जी (सालासर मार्बल एंड ग्रेनाइट)	495	श्रीमति मीना जैन जी कट पीस सेंटर सागर	551	डॉ. निकिता जैन जी
440	श्रीमति नमिता संजीव जैन जी (हल्दीराम)	496	श्रीमति सुलेखा (नीलू) शरद जैन जी	552	रुपाली जैन जी
441	मस्टर अक्षत जैन साक्षी जैन जी	497	कु. अक्षिता मास्टर प्रखर जैन जी	553	डॉ रुपाली सैनी जी
442	श्रीमति सुनीता मनोज पडवार जी	498	श्रीमति मुक्ता संदीप जैन जी	554	डॉ. पुष्पा सूर्यवंशी जी
443	श्रीमति कविता स्व. सुरेश जैन जी	499	मास्टर संयम, सुयश जैन जी	555	खुशबू ओझा जी
444	श्रीमति सुरुचि पर्व जैन जी	500	स्व. श्री विजयचंद जैन जी	556	नेहा पाटोदी जी
445	श्रीमति मनीषा अखिलेश बडकुल जी	501	श्री दिलीप रांधेलिया जी	557	जय चांदनी जी
446	मास्टर पर्व अभिषेक जैन जी	502	संध्या रांधेलिया जी	558	आशीष मेघवानी जी
447	श्रीमति मंजू मगन जैन जी	503	सुरभि रांधेलिया जी	559	राज लालवानी जी
448	मायरा D/O मयंक जैन जी	504	अंकिता रांधेलिया जी	560	श्रीकांत मधुकर पनाडी
449	स्व. केशर जैन जी	505	श्री बाहू रांधेलिया जी	561	श्री राकेश कुमार सिन्हा जी
450	श्रीमति मालविका शैलेन्द्र जैन जी	506	डॉ. गौरव कोहली जी	562	श्री पीजीव्हीराज राव जी
451	श्रीमति अनीता राजकुमार जैन जी	507	डॉ. सुबोध वार्ष्णेय जी	563	श्रीमति अनीता जैन जी
452	मास्टर सूर्यांश रिद्धि, सिद्धि, जैन जी	508	डॉ.पुनीत तिवारी जी	564	श्री कस्तूरचंद जैन जी
453	श्रीमति अंजू सुरेन्द्र सेठ जी	509	डॉ. संतोष राय जी	565	श्री इकरार खान जी
454	मास्टर सम्यक, सर्वज्ञ सेठ जी	510	डॉ. सुधीर जैन जी	566	श्री आफताब खान जी
455	मधु अनिल जैन जी पीपलवाला	511	डॉ.आशीष जैन जी	567	हसन खान जी
456	अनिल कुमार पीपलवाला जी	512	श्री अलोक अग्रवाल जी	568	रूबी खान जी
457	अंकित पीपलवाला जी	513	श्री दिलीप मुखारया जी	569	रुकैया खान जी
458	अनिमेष अनिल पीपलवाला जी	514	श्री अंकित बोहरे जी	576-625	सुश्री संहिता दुबे जी
459	श्रीमति राशि पीपलवाला जी	515	श्री अभिषेक द्विवेदी जी	626-645	सुश्री प्राची जैन जी
460	मास्टर आगम सिंघई आदेश जैन जी	516	श्री ब्रजेन्द्र ठाकुर जी	646-649	श्री सक्षम कुमार जी
461	मास्टर आर्यन सिंघई, कविता जैन जी	517	श्री प्रशांत गंगवाल जी	650	श्री प्रसाद राजे भोपाले जी
462	श्रीमति साक्षी सचिन स्पोर्टस जी	518	श्री राहुल विश्वकर्मा जी	651-656	श्री संकेत कलम्बे जी
463	मास्टर ओजस, स्वस्ति जैन जी स्पोर्ट्स	519	श्री हर्ष प्रताप सिंह राजपूत जी	657	श्री राम कुमार वैद्य जी
464	श्रीमति दीप्ति अनिल चंदेरिया जी	520	श्री सन्देश साहू जी	658	श्री निरवर वैद्य जी
465	रचना, आरोही, अंशुल चंदेरिया जी	521	डॉ.कृष्णदीप साहू जी	659	श्री अभिजीत कोंडेकर जी
466	श्रीमति कीर्ति अतीत जैन जी	522	श्री मनीष वलेजा जी	660	शिवांशी कौरव जी
467	आकर्षित, आर्या, आव्या जैन जी	523	श्री सौरभ लश्करी जी	661	मुकेश स्टेशनरी
468	श्रीमति वैशाली राकी बहेरिया जी	524	श्री अभिषेक सिंह जी	662	मुकेश स्टेशनरी
469	श्रीमति आशा प्रदीप सेठ जी	525	श्री अनिल अग्रवाल जी	663	श्री संकल्प नीलम जैन जी
470	श्रीमति अंजली जैन जी राज सोनोग्राफी	526	श्री लोकेश सिंह जादौन जी	664	श्री संकल्प नीलम जैन जी
471	श्रीमति मंजरी दिनेश जैन जी (सन्मति वस्त्र भंडार)	527	श्री अंकित सिंघई जी	665	श्री महेश चंद जैन जी
472	मास्टर दर्शन, अभत, अनुज जैन जी	528	श्री संदीप बलोरिया जी	666	श्रीमति उमा देवी नायक जी
473	श्रीमति सुषमा राजेश जैन जी	529	श्री आशुतोष गुरु जी	667	श्री पी.सी. नायक जी
474	सुभाषचंद, मीना जैन जी	530	श्री हर्षित जड़िया जी	668	नीना नायक जी
475	दिनेशचंद, दीपा जैन जी	531	श्री अम्बर जैन जी	669	श्री निखिल नायक जी

तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम	तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम	तख्ती क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम
670	परिधि नायक जी	740	श्री रमेश पंत जी, कार्यवाहक निरीक्षक एमटी	910	आदर्शरानी जैन जी
671	निमिषा नायक जी	741	श्री शंकर बहादुर जी, कार्यवाहक निरीक्षक, ई कंपनी	911	विमल रानी जैन जी
672	श्री अभिलाष जैन जी	742	श्री खानजू प्रसाद जी, कार्यवाहक निरीक्षक प्रशासन	912	स्वदेश जैन जी
673	श्री रजनीश नायक जी	743	श्री डेलन सिंह जी, निरीक्षक एफ कम्पनी	913	श्रीमति शेफाली जैन जी
674	ममता नायक जी	744	श्री राकेश नामदेव जी, क्वाटर मास्टर	914	प्रकाश जैन जी
675	श्री निकुंज नायक जी	745	श्री रविन्द्र साहू जी, निरीक्षक, मुख्य समवाय	915	शौर्या जैन जी
676	श्रीमति पायल पटैरिया जी	746	श्री एम. के. जैन जी, यूनिट चिकित्सक	916	मानस जैन जी
677	श्री निशांत पटैरिया जी	747	सुश्री शिवाली चतुर्वेदी जी (रा.पु.से.) सहायक सेनानी	917	विराट शाह जी
678	श्रीमति हेमा पटैरिया जी	748	श्री अमित कुमार बट्टी जी (रा.पु.से.) सहायक सेनानी	918	शिवाली शाह जी
679	श्री पर्व पटैरिया जी	749	श्रीमति आरती सिंह जी (रा.पु.से.) उप सेनानी	919	रिवान शाह जी
680	नित्या पटैरिया जी	750	श्रीमान समीर सौरभ जी (भा.पु.से.) सेनानी	920	श्रीमति रश्मि जैन जी
681	श्रीमति रूपा तिवारी जी	751	श्री शिवशंकर शुक्ला जी, एमटीओ	921	श्री अनूप जैन जी
682	श्री रीतेश तिवारी जी	776-780	श्री सुभाष जैन जी (खाद)	922	आंशी जैन जी
683	श्री कौटिल्य तिवारी जी	781-785	श्रीमति निधि सुभाष जैन जी (खाद)	923	पुष्पा जैन जी
684	काव्या तिवारी जी	786-790	श्रुति सुभाष जैन जी (खाद)	924	वर्षा जैन जी
685	श्रीमति रश्मि पाठक जी	791-795	कृति सुभाष जैन जी	925	विनीता जैन जी
686	श्री तन्मय पाठक जी	796-800	दीपक जैन जी खाद	926	विनीता जैन जी
687	अनय पाठक जी	801-805	अर्चना हेमंत जैन जी खाद	927	विशान्त जैन जी
688	श्रीमति माया मिश्रा जी	806-810	हेमंत जैन जी खाद	928	सुप्रिया जैन जी
689	संगीता मिश्रा जी	811-815	संजय जैन जी खाद	929	पारस मोदी जी
690	श्री ओमप्रकाश मिश्रा जी	816-820	प्रियंका प्रदीप जैन जी खाद	930	पारुल मोदी जी
691	श्रीमति शीला मिश्रा जी	821-825	प्रदीप जैन जी खाद	931	श्री विनोद मोदी जी
692	श्री राकेश मिश्रा जी	826-830	पूर्वी जैन D/O सुरेन्द्र मालथौन जी	932	श्रीमति किरण मोदी जी
693	श्रीमति स्नेहलता मिश्रा जी	831-835	सुरभि जैन जी	933	नम्रता मोदी जी
694	श्री मनीषा मिश्रा जी	836-840	सुजय जैन जी	934	माही मोदी जी
695	श्रीमति अंजली मिश्रा जी	841-845	श्रीमति सपना जैन W/O सुरेन्द्र मालथौन जी	935	कवीर मोदी जी
696	शिवांश मिश्रा जी	846-850	287 मेरी चाय	936	नंदिनी जैन जी
697	शिवानी मिश्रा जी	851-870	रो. आशीष अग्रवाल जी	937	सोम्या जैन जी
698	साक्षी मिश्रा जी	871	श्री रविन्द्र सिंघई जी	938	श्रेयांश जैन जी
699	सारांश मिश्रा जी	872	ममता सिंघई जी	939	राखी जैन जी
700	वेद मिश्रा जी	873	जैनम सिंघई जी	940	पराग जैन जी
701	तनिष्का मिश्रा जी	874	हेतल सिंघई जी	941	श्रीमति रितु जैन जी
702	श्री राधेश्याम मिश्रा जी	875	पाखी सिंघई जी	942	पर्व जैन जी
703	श्रीमति रक्षा मिश्रा जी	876	श्री उदय जैन जी	943	पूर्वी बडजात्या जी
704	आरव शर्मा जी	877	श्री खेमचंद जैन जी	944	इशान बडजात्या जी
705	श्रीमति शालू शर्मा जी	878	श्री शिखर चंद जैन जी	945	चंदा जैन जी
706	श्री अभिषेक शर्मा जी	879	श्री विजय कुमार जैन जी	946	उदय जैन जी
707	श्रीमति रीता गंगेले जी	880	श्री प्रेमचंद सराफ जी	947	सोभा जैन जी
708	श्री हर्षराज गंगेले जी	881	श्रीमति शांति बाई सराफ जी	948	कैलाश जैन जी
709	श्री यशराज गंगेले जी	882	श्री सुभाष जैन जी	949	प्रेमचंद जैन जी
710	श्री रामरतन पटैरिया जी	883	श्री मुकेश सराफ जी	950	जिनेन्द्र जैन जी
711	श्रीमति गीता पटैरिया जी	884	श्रीमति रचना सराफ जी	951	जिनेन्द्र जैन जी
712	श्री नितिन पटैरिया जी	885	अवनी सराफ जी	952	श्रीमति सपना जैन जी
713-725	श्री श्याम सुन्दर मिश्रा जी	886	अश्वनी सराफ जी	953	श्रीमति सपना जैन जी
726	श्री शशांक बनसोडे जी, उप निरीक्षक	887	श्री अनिल जैन जी	954	अपूर्व जैन जी
727	श्री शुभम श्रीवास्तव जी, उप निरीक्षक	888	अदि जैन जी	955	अपूर्व जैन जी
728	श्री लक्ष्मण सिंह वर्मा जी, उप निरीक्षक	889	चारु जैन जी	956	अपूर्वा जैन जी
729	श्री रघुवीर प्रसाद जी, उप निरीक्षक	890-899	सीए सुदीप नीति जैन जी	957	अपूर्वा जैन जी
730	श्री अजीत मिंज जी, उप निरीक्षक	900	श्री सुनील जैन जी	958	द्वीप जैन जी
731	श्री निर्मल खलखो जी, उप निरीक्षक	901	श्रीमति मीना जैन जी	959	द्वीप जैन जी
732	श्री प्रभात श्रीधर जी, उप निरीक्षक	902	श्री सुमीर जैन जी	960	डॉ. विनोद जैन जी
733	श्री राहुल पाण्डेय जी, उप निरीक्षक	903	श्रीमति सुशीला जैन जी	961	आदर्श जैन जी
734	श्री सरोज पोखरियाल जी, उप निरीक्षक	904	श्री संजय जैन जी	962	सौरभ जैन जी
735	श्री राजेश बैन जी, उप निरीक्षक	905	सुलेखा जैन जी	963	गौरव जैन जी
736	श्री घनश्याम पटैल जी, सूबेदार मेजर	906	मुश्कान जैन जी	964	श्री अभिषेक जैन जी
737	सुश्री अंजली चौबे जी, स्टैनो	907	शालनी जैन जी	1001-1100	भारतीय स्टेट बैंक, एस.एम.ई. शाखा भगवानगंज, सागर (म.प्र.)
738	सुश्री प्रतिभा कुर्मी जी, स्टैनो	908	संगीता जैन जी		
739	श्री सुखलाल सेन जी, मुख्य लिपिक	909	सुनीता जैन जी	1126-1225	स्व. श्री अनुराग गुरु, स्व. श्री रमाकांत गुरु जी

भारत विकास परिषद् द्वारा लगायें गये वृक्ष

क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम	क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम	क्रमांक	वृक्ष मित्र का नाम
1	विधायक श्री प्रदीप रेनू लारिया जी	21	श्री सुरेश किरण पिंजवानी जी	41	श्री अखिलेश दीप्ति समैया जी
2	डॉ. धीरेन्द्र डॉ. संध्या मिश्रा जी	22	श्री मुकेश चौरसिया जी	42	श्री मनोज रश्मि राय जी
3	डॉ. संजीव रेनू कठल जी	23	श्री प्रदीप सुमन जैन जी	43	श्री जय कुमार जी
4	डॉ. अमर कुमार सुनीता जैन जी	24	श्री अभि जैन जी	44	श्री धर्मेंद्र हंसा पटैल जी
5	श्री श्रीनाथ रश्मि नेमा जी	25	श्री आदेश कविता जैन जी	45	नैंसी चौरसिया जी
6	श्री कपिल प्रीति मलैया जी	26	श्री मनीष सुष्मिता ठाकुर जी	46	तनुष्का जैन जी
7	श्री विनय शालिनी मलैया जी	27	श्री दिवाकर पाण्डेय जी	47	निष्ठा श्रीवास्तव जी
8	श्री संकल्प नीलम मलैया जी	28	श्री अंकित रागनी बोहरे जी	48	स्कंदनी ठाकुर जी
9	श्री संकल्प नीलम मलैया जी	29	श्री देवेंद्र सिंह मंदीप कौर चावला जी	49	कजेतन राज जी
10	श्री मनीष रश्मि मलैया जी	30	श्री अमित प्रतिभा ददरिया जी	50	नीरव यादव जी
11	श्री ऋषभ कुमार कमला जैन जी (मडावरा)	31	श्री दीपेश साक्षी जैन जी	51	श्री अविनाश मंजिती जैन जी
12	श्री ऋषभ कुमार कमला जैन जी (मडावरा)	32	श्री महेंद्र अंजना साहू जी	52	श्री संदीप पूनम अग्रवाल जी
13	श्री जेठाभाई जया पटैल जी	33	श्री रितुल गरिमा सराफ जी	53	श्री प्रमेन्द्र शिखा शर्मा जी
14	श्री मनन विजय पटैल जी (नई दिल्ली)	34	डॉ. मनीष डॉ. रोशी जैन जी	54	श्री योगेश शशि मौर्य जी
15	श्री निखिल विजय पटैल जी (नई दिल्ली)	35	श्री प्रभाकर रागनी कड्या जी	55	श्री विक्रांत सुनीता चौधरी जी
16	सारंग पंकज पटेल (नई दिल्ली)	36	डॉ. सौजन्य डॉ. स्नेहल चौबे जी	56	श्री प्रशांत रश्मि जैन जी
17	स्व. वनिता चांदवानी जी	37	श्री कपिल हेमलता दुबे जी	57	श्री अनिल अंजली अवस्थी जी
18	श्री चंद्रभान चांदवानी जी	38	श्री अशोक हेला रीना जी	58	श्री अनिल कविता लारिया जी
19	श्री मुकेश कुमार सुनीता जैन जी	39	श्री आशुतोष रीना नेमा जी	59	श्री सुनील देव जी
20	श्री सुरेश किरण पिंजवानी जी	40	श्री नरेंद्र ज्योति सराफ जी	60	डॉ. जी.एस. चौबे जी

"वृक्ष मित्र अभियान-2021" निम्न संस्था एवं सदस्यों का विशेष सहयोग रहा

क्रमांक	संस्था/सदस्य का नाम	पेड़ों की संख्या
1	दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सागर मेन	200
2	भारतीय स्टेट बैंक, एस.एम.ई. शाखा, भगवानगंज, सागर (म.प्र.)	100
3	स्व.अनुराग गुरु, स्व रमाकांत गुरु जी	100
4	श्री सौरभ रांधेलिया जी	62
5	भारत विकास परिषद्	60
6	श्री श्याम सुन्दर स्वर्णलता मिश्रा जी	50
7	श्री सुभाष जैन निधि जैन जी (खाद)	50
8	श्री प्रिन्स जैन जी	50
9	श्री कपिल D/O संहिता दुबे जी	50
10	स्व. श्री सीताराम तिवारी जी (राजा बिलहरा)	50
11	श्री मनीष अपर्णा हुरकट जी	50
12	श्री सुरेन्द्र सपना जैन जी मालथौन	25
13	रो. आशीष अग्रवाल जी	20
14	एड. रश्मि ऋतु जैन जी	16
15	एम. आर. ढाका जी (सालासर मार्बल एंड ग्रेनाइट)	11
16	श्री पी. सी नायक जी	10
17	श्री अशोक सुन्द्रानी जी	10
18	सीए सुदीप नीति जैन जी	10
19	शशि सतपुत्रे जी	10

विचार समिति ने बनाया मियावाकी वन

मंगलगिरि में वृक्षारोपण करती हुई विचार संस्था की टीम।

विचार समिति ने मंगलगिरी में सागर का दूसरा मियावाकी वन बनाया। इसमें 3000 वर्गफीट जगह में 1500 वृक्ष लगाये गए। मियावाकी पद्धति एक जापानी वैज्ञानिक द्वारा सुझाई पद्धति है जिसमें एक से दो फीट की दूरी पर पेड़ लगाये जाते हैं। इसमें विभिन्न स्थानीय प्रजातियां लगाई जाती हैं। पौधे पास-पास लगने से मौसम की मार का असर नहीं पड़ता। गर्मी के दिनों में भी पेड़ के पत्ते हरे बने रहते हैं।

मंगलगिरी मियावाकी में जमीन को 3 से 4 फीट खोदकर उसमें सागर तालाब की मिट्टी डाली गई है साथ ही जैविक खाद व 12 ट्राली गोबर खाद डाला गया है। इसके ऊपर धान की भूसी डाली गई है। 30 किस्म के स्थानीय पेड़ लगाये गए हैं।

पेड़ इस प्रकार के हैं जिसमें कुछ 7 से 12 फीट ऊंचे, कुछ 10 से 20 फीट ऊंचे व बाकी 20 फीट से ऊंचे जाने वाले रखे गए हैं। नये प्रयोग के तौर पर एक हाईट मीटर लगाया गया है जिससे प्रत्येक सप्ताह पेड़ों की बढ़ोत्तरी नापी जाएगी। मियावाकी वन में 10 गुना तेज वृद्धि होती है। अतः प्रयास है कि पेड़ एक वर्ष में 15 फीट से ऊंचे हो जायें।

यह मियावाकी वन श्री राजेश मलैया डॉ. शैफाली मलैया ने अपनी माताजी श्रीमति आशारानी मलैया जी की स्मृति में समर्पित किया है जिसका संपूर्ण खर्चा वह वहन कर रहे हैं। स्व. श्रीमति आशारानी मलैया जी ने अपने जीवनकाल में लाखों वृक्ष लगवाये व

पर्यावरण प्रेमी आशारानी मलैया की स्मृति में लगाए पेड़

श्रीमति आशारानी मलैया जी की स्मृति में मंगलगिरी में मियावाकी वन के तहत वृक्षारोपण किया गया।

अनगिनत लोगों को वृक्षारोपण, बागवानी की प्रेरणा दी।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया का कहना है कि हम चाहते हैं शहर में इस तरह के 100 से अधिक स्मृति वन बनें जिससे बुजुर्गों की याद बनी रहेगी व पर्यावरण हराभरा होगा। मंगलगिरी स्याद्वाद ट्रस्ट का हमें हमेशा सहयोग मिलता है जिससे आज इस क्षेत्र में 9000 के लगभग पेड़ हो गए हैं।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया इस तरह का वन कोई भी सागरवासी 500 वर्गफीट से ज्यादा किसी भी जगह पर लगा सकता है। इच्छुक व्यक्ति की विचार समिति पूर्ण मदद करेगी।

ज्ञातव्य हो सागर का प्रथम मियावाकी लगभग एक वर्ष पूर्व नवीन कलेक्टर कार्यालय में बनाया गया था। वृक्षारोपण में स्मार्ट सिटी सीईओ राहुल सिंह जी, श्री राजकुमार मलैया एवं मलैया परिवार के सदस्य व शुभचिंतक, मंगलगिरी के पदाधिकारी प्रदीप जी जैन, जिनेन्द्र जी आदि, विचार के सदस्य व पदाधिकारी, जैन मिलन महावीर शाखा, जैन मिलन प्रांतीय अध्यक्ष कमलेंद्र जी आदि पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

मियावाकी पद्धति की विशेषताएं

1. 10 गुना तेज वृद्धि
2. 30 गुना घना
3. 100 गुना अधिक जैव विविध
4. 100 प्रतिशत जैविक
5. 30 पेड़/100 वर्गफुट
6. 25-50 प्रजाति वैरायटी
7. केवल स्थानीय किस्म के पेड़ों का इस्तेमाल
8. 3 साल बाद कोई मेटेनेंस नहीं
9. कीट और रोगों से बचाव करने में सक्षम

विचार समिति ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में लगाया दुर्लभ गरूड़ वृक्ष

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में गरूड़ वृक्ष का पेड़ लगाते हुए विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया, सचिव आकांक्षा मलैया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया व विचार सेवक।

विचार समिति द्वारा बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में दुर्लभ गरूड़ वृक्ष को लगाया गया। इस गरूड़ वृक्ष को छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले से बुलवाया गया है। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि प्रकृति ने हमें कई उपहार दिए हैं। उनमें से एक गरूड़ वृक्ष भी हैं। इस वृक्ष की फलियां बिलकुल सांप की आकार की दिखाई देती हैं। शायद इसी कारण इसका नाम गरूड़ पड़ा होगा। ग्रामीण अंचल में आज भी दरवाजे के ऊपर गरूड़ की फलियों को बांध देते है ताकि किसी भी प्रकार के सांप घर में प्रवेश न कर सकें। गरूड़ के इस फल में विशेष प्रकार कि सुगंध होती है जिससे सांप दूर भागते है।

प्राचीन मान्यता है कि जहां गरूड़ वृक्ष लगा हो उसके आसपास सर्प नहीं आते। बीएमसी में इस वृक्ष को लगाने का उद्देश्य इन्हीं जहरीले जीव जंतु से बचाना है। वैज्ञानिकों ने भी इस तथ्य को सत्य पाया है। विचार समिति की सचिव आंकाक्षा मलैया ने बताया कि गरुड़ का पेड़ मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल, केरल, तमिलनाडु इत्यादि राज्यों में पहाड़ी इलाकों के घने जंगलों में कहीं-कहीं पाया जाता है। इसका तना कठोर लकड़ी वाला होता है व डण्डी पर 3 पत्तियां लगी होती हैं जैसे कि बेल पत्र लगे होते है। इसकी फली में लगे हुए फल की लंबाई एक मीटर या उससे कुछ अधिक लंबी होती है। फली को चीरने पर इसमें गांठेदार सफेद हड्डी जैसा गूदा होता है। बीजों के ऊपर एक हल्की पारदर्शक पर्त चढ़ी होती है जो कि सर्प की केचुली के समान होती है। फली का रंग हल्का चाकलेटी होता है। इस मौके पर डॉ. उमेश पटैल, कवि अखिल जैन, विचार समिति के मार्गदर्शक राजेश सिंघई, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया आदि मौजूद थे।

यूपीईएस की पहल के अंतर्गत विचार समिति द्वारा चलाई जा रही इंटर्नशिप का उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने किया शुभारम्भ

विचार संस्था द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस) के 22 छात्रों को सोशल सर्विस इंटर्नशिप कराई जा रही है। इस इंटर्नशिप का नाम है 'सृजन' जो की यूपीईएस यूनिवर्सिटी के 'स्कूल फॉर लाइफ' अभियान के अंतर्गत आती है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने इस इंटर्नशिप का वर्चुअल शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्तित्व में आने से ही यूपीईएस समाज के लिए अपने दायित्वों के प्रति संवेदनशील रहा है। छात्रों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ ही सांस्कृतिक और गैर शैक्षणिक गतिविधियों के क्षेत्र में भी अनेक अवसर प्रदान करता रहा है। इस अवसर पर वर्चुअल माध्यम से कुलाधिपति यूपीईएस डॉ. जे.एस. चोपड़ा, कुलपति डॉ. सुनील राय, मुख्यमंत्री के विशेष कार्याधिकारी जे. सुन्द्रियाल आदि मौजूद थे।

इस सत्र को यूपीईएस के छात्रों श्री अंशुल नहल और त्रिधा बजाज द्वारा अच्छी तरह से संचालित किया गया था। विचार संस्था से इंटर्नशिप के आयोजक आकांक्षा मलैया, भुवनेश्वर सोनी, रुचि शर्मा और अन्नपूर्णा देवी उपस्थित थे और सभी सलाहकार यूपीईएस विश्वविद्यालय, देहरादून के छात्रों के लिए इस सृजन सामाजिक इंटर्नशिप कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर गौरवान्वित महसूस हुए

विचार समिति के अंतर्गत इंटर्नशिप कर रहे छात्र

प्रकृति का अध्ययन विज्ञान के अध्ययन का बड़ा हिस्सा है और मैं भाग्यशाली हूं जिसे यह अवसर मिला। मैं यूपीईएस के फर्स्ट ईयर बीबीएइन एनालिटिक्स एंड बिग डाटा का छात्र हूं और इस वर्ष मुझे विचार समिति में कार्य करने का मौका मिला। पर्यावरण पर कार्य करना एक अच्छा अनुभव है। मैं यह अनुभव प्राप्त कर अपने आपको भविष्य में एक काबिल मनुष्य बनाऊंगा। **– रीदय व्यास**

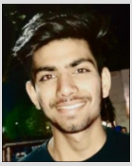

जागरूकता, स्वास्थ शिक्षा को लाना एवं अफवाहों को दूर और देश को स्वयं विश्वसनीय बनाना। यही है मेरा लक्ष्य और इसी लक्ष्य और विचार के साथ मैं विचार समिति के साथ जुड़ा हूं। देश में कमियां सब निकालते हैं पर उन कमियों को योग्य बनाना सिर्फ कुछ लोग ही करते हैं।

– आयुष पाटीदार

देश में रोजगार के अनेकों क्षेत्र और अवसर है, परन्तु अनियंत्रित बढ़ती आबादी के चलते प्रत्येक व्यक्ति को नौकरी देना अब संभव नहीं है। मैं यूपीएस में बीटेक कम्प्यूटर साइंस का छात्र हुं। मुझे इस वर्ष विचार समिति में रोजगार के क्षेत्र में कार्य करने का मौका मिला है। मैं इस कार्य को पूरी निष्ठा और लगन से करूंगा। हमारे देश में निपुण व्यावसायिक प्रशिक्षण का अभाव हैं, जिससे प्रशिक्षित युवा को आगे चलकर रोजगार मिल सके। केवल बुनियादी शिक्षा से सरकारी नौकरियों तक रोजगार सीमित रह जाएगा। **– चिन्मय भूरा**

मेरा जन्म बिहार प्रांत के मुज़फ़रपुर शहर में हुआ है, परंतु पापा की स्थानांतरण वाली नौकरी के कारण भारत के विभिन्न स्थानों पर रहने का अवसर प्राप्त हुआ, वर्तमान में हम मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में रह रहे हैं, मैं देहरादून स्थित पेट्रोलियम एवं एनर्जी विश्वविद्यालय के बीकाम प्रतिष्ठा संकाय कराधान के प्रथम वर्ष का छात्र हूं। मैं विचार संस्था से जुड़ा हूं, मैं अपने इंटर्नशिप के लिए स्वास्थ्य एवं सफाई का विषय चुना है क्यूंकि मेरा मानना है कि स्वास्थ्य ही धन है, अगर आपके पास अच्छा स्वास्थ्य व तन है तभी आपके पास सब कुछ है हम सब जानते हैं कि हमारे जीवन के लिए स्वास्थ्य कितना जरूरी है हम कोई ऊंचाई नहीं छू सकते अगर हमारे पास उचित शारीरिक शक्ति नहीं होगी। हमारे जीवन का हर हिस्सा हमारे स्वास्थ्य पर निर्भर है। यह हमारी प्रथम इंटर्नशिप यात्रा है मैं विश्वास करता हूं एवं मेरी हार्दिक इच्छा है कि मेरी इंटर्नशिप की यात्रा उत्पादक होगी। **– उत्कर्ष कुमार**

मैं यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेट्रोलियम का छात्र हूं। मैं वहां बीए इकोनॉमिक्स कर रहा हूं। मैं विचार समिति की सहायता से असहाय जानवरों की मदद करना चाहता हूंऔर मैं इसी विषय में अपने कदम आगे बढ़ाना चाहता हूं। मैं इसके पहले भी 2 एनजीओ में काम कर चूका हूं। मैं चाहता हूं की जानवरों पर हो रहे जुल्मों को रोका जाए। जो फॉर वेगन से सबको जोड़ा जाए। मूक प्राणी के लिए जीवन उतना ही प्रिय है जितना इन्सान के लिए है जैसे ही कोई इन्सान खुशी और दर्द चाहता है वैसे ही अन्य जीव भी चाहते हैं। **– दिव्यांश तिवारी**

शिक्षा तथ्यों को सीखना नहीं है बल्कि दिमाग को सोचने का प्रशिक्षण देना है। आज हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहां शिक्षा अमीरों को बेची जाती है और गरीबों से छीन ली जाती है, आज मैं यूपीईएस देहरादून गेम डिजाइन का छात्र एक प्रण लेना चाहता हूं। मैं इस सामाजिक और राजनीतिक बुराई के खिलाफ एक प्रण लेता हूं और मुझे अपनी संस्था में शामिल करने के लिए विचार समिति को धन्यवाद देता हूं उम्मीद हैं हम मिलकर काम करेंगे और इस अन्याय के साथ मिलकर लड़ेंगे और इस युद्ध में छोटा सही पर प्रभावशाली काम करेंगे। **– नवांश जैन**

मैं बीकॉम एलएलबी फर्स्ट ईयर की छात्रा हुं और इस संस्था के साथ मैं जरूरत मंद लोगों की मदद करना और उनको जागरूक करना उनके अधिकार के लिए और उनके अंदर आत्म विश्वास की भावना जगाना चाहती हूं। समाज में लानी होगी जाग्रति, विकलांगजनों सशक्तिकरण को दीजिये गति ..

– अंशिका जैन

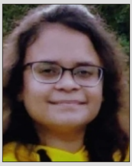

मैं यूपीईएस देहरादून कालेज में कम्प्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग कर रही हूं। मुझे बहुत सारी खुशी हुई कि मुझे सामाजिक या सोशल इंटर्नशिप करने का मौका मिला और मैं यह विश्वास दिलाती हूं कि मैं इस इंटर्नशिप को बहुत अच्छी तरह से करने की कोशिश करूंगी।

– आश्का विश्वकर्मा

मैं यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज का छात्र हूं। मैं यूपीईएस से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग कर रहा हूं और मुझे यह जानकर बहुत खुशी हो रही है कि मैं विचार समिति से सोशल इंटर्नशिप करने जा रहा हूं और मैं इस संस्था का हिस्सा बनकर अपना पूरा प्रयास करूंगा कि मैं लोगों को जागरूक कर पाऊं, उनकी मदद कर पाऊं और विश्वास दिला पाऊं कि शिक्षा ही इंसान की सबसे बड़ी पूंजी है। बच्चों को तुम पढ़ाओ-लिखाओ, शिक्षा देकर संसार को बेहतर बनाओ। शिक्षा जीवन का आधार, इसके बिना है सब बेकार। **– दिव्यांश जैन**

मैं यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज से ग्राफिक डिज़ाइन की स्टूडेंट हूं। मैं अपने डिजिटल डिज़ाइन कौशल से सामाजिक कल्याण में योगदान देना चाहती हूं। मझे लगता है कि महिलाओं को आत्मनिर्भर होना चाहिए इसलिए मैं महिला रोजगार पर भी काम करना चाहती हूं। **– शैली गुप्ता**

भारत में कई समस्याओं में बेरोजगारी की समस्या गंभीर समस्याओं में से एक है। रोजगार करना सभी इंसानो की ज़रूरत है। मैं यूपीईएस के बीटेक कंप्यूटर साइंस की छात्रा हूं। मुझे इस वर्ष विचार समिति में शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कार्य करने का मौका मिला है। मैं इस कार्य को पूरी निष्ठा और लगन से करूंगी। धन्यवाद **– यशस्वी तिवारी**

मैं यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज देहरादून कॉलेज में पढ़ती हूं। मैं फर्स्ट ईयर बीकॉम एलएलबी की छात्रा हूं। मै हमेशा से ही पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक और सजक करना चाहती थी मैंने इससे पहले कई संस्था के साथ काम किया हैं। मै हमेशा से ही पर्यावरण के लिए कुछ करना चाहती थी। विचार संस्था के साथ मिलकर मैं लोगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करूंगी और मुझे पूर्ण विश्वास है की मुझे इस इंटर्नशिप के द्वारा बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

– श्रेया कश्यप

शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया बदलने के लिए कर सकते है। मैं यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून की छात्रा हूं। मैंने यहां से बैचलर ऑफ डिजाईन (B. Des.) का प्रथम वर्ष किया है। मैं भारत में शिक्षा का विस्तार करना चाहती हूं। शिक्षा का उद्देश्य है कि वह देश के हर बालक-बालिका को अच्छे ढंग से जीने का तरीका सिखाये। उन्हें शिक्षित कर अच्छे बुरे का बोध कराये। उनके विचारों को उन्नत बना कर सुसंस्कृत करें। विचार समिति मेरे इस कार्य को आगे बढ़ाने मे मेरा सहयोग करेगी।

– अनुष्का शर्मा

मैं यूपीईएस की छात्रा हूं और यह इंटर्नशिप मेरे लिए अच्छा करने का एक अवसर है। मैं स्वास्थ्य और स्वच्छता पर काम कर रही हूं और मैं कदम उठाकर और अपने कौशल का उपयोग करके महिलाओं और बच्चों का उत्थान करना चाहती हूं ताकि हमें किसी को बचाने के लिए दूसरों की प्रतीक्षा न करनी पढ़े लेकिन दूसरे शब्दों में हम अपने कौशल का उपयोग उनकी मदद करने के लिए करते रहे।

– वंशिका बैरागी

मैं यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज का छात्र हूँ। मैं बीए एलएलबी का छात्र हूं। बचपन से ही मुझे पर्यावरण को लेकर काफ़ी दिलचस्पी थी और मैंने काफ़ी पर्यावरण समारोह मैं भाग लिया है। विचार संस्था के साथ जो मुझे इंटर्नशिप करने का अफसर प्राप्त हुआ है, इस दौरान मैं पर्यावरण को लेकर काफी काम कर सकूंगा। इस इंटर्नशिप के जरिए मैं काफी अलग-अलग सॉट स्कल्लिस सीख पाऊंगा जैसे लीडरशिप ओर टीम वर्क।

– युवराज शर्मा

कोई भी जिसने सीखना छोड़ दिया चाहे उसकी उम्र कुछ भी हो वह बूड़ा है और वह जिसमें सीखने की चाह हो वह युवा है। शिक्षा का उद्देश्य एक खाली दिमाग को एक खुले दिमाग में बदलना है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए मैं विचार समिति के साथ जुड़ा हूं।

– पुलकित मित्तल

मीडिया कवरेज

धर्म . समाज . संस्था

dainikbhaskar.com दैनिक भास्कर सागर, रविवार, 20 जून, 2021

विचार समिति ने 1100 पौधे रोपे, मेजबान सैनिक करेंगे देखरेख

4 से 6 फीट के पौधे रोपे, साल में 8 बार डालेंगे खाद, डिब्बा लगाया ताकि बूंद-बूंद पानी मिलता रहे, दानदाताओं की नाम पट्टी भी लगाई

भास्कर संवाददाता | सागर

10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया में शनिवार को अनूठा पौधरोपण हुआ। यहां पर 4 से 6 फीट ऊंचाई के पौधे रोपे गए। विचार समिति द्वारा 10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया के परेड मैदान पहाड़ी में 1100 पौधे रोपे।

विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण इस स्थान को पौधरोपण के लिए समिति द्वारा तैयार किया गया है। सबसे पहले 3 फीट का गड्ढा किया गया, जिसमें तालाब की मिट्टी डाली गई। फिर 4 से 6 फीट ऊंचाई के पौधे रोपे गए। प्रत्येक पौधे के साथ एक डिब्बा लगाया गया है ताकि पानी डालने पर लंबे समय तक नमी बनी रहे। हर पौधे के साथ दानदाता के नाम की तख्ती भी लगाई गई है। समिति द्वारा हर पौधे को साल में 8 बार खाद दी जाएगी। कोरोना के चलते सभी वृक्ष मित्रों को पौधरोपण स्थल पर आमंत्रित नहीं किया गया। पेड़-पौधों में पानी देने व उन्हें संरक्षित रखने की जवाबदारी 10वीं वाहिनी विसबल ने ली है। पौधरोपण दो स्थानों पर किया गया है। जिनके नाम संकल्प वन व ओशो वन रखे गए हैं। गौरतलब है कि विचार समिति द्वारा मंगलगिरि की पहाड़ी पर 7100 पौधे लगाए गए थे, जो सभी सलामत हैं।

समिति प्रकृति व पर्यावरण सुधार के लिए सदैव तत्पर : आकांक्षा

विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि समिति शहर में प्रकृति व लोगों के पर्यावरण सुधार के हर कार्य को सदा तत्पर है। इस पुनीत कार्य के प्रेरक बने बटालियन के कमांडेंट समीर सौरभ आईपीएस। जिनकी बहुत इच्छा थी की यह क्षेत्र हरा भरा बने। इनके सुझाव पर पहाड़ के कटाव को रोकने एवं जल संरक्षण के लिए लंबे-लंबे ट्रेंच बनाए गए है। इस पौधरोपण करने में बटालियन से उप कमांडेंट आरती सिंह, सहायक कमांडेंट अमित कुमार बट्टी, सहायक कमांडेंट शिवाली चतुर्वेदी, मुख्य समवाय रवींद्र साहू एवं बल के जवानों का विशेष सहयोग रहा। महाअभियान में मार्गदर्शक श्रीयांश जैन, राजेश सिंघई, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया आदि का सहयोग रहा है।

इन्होंने पौधे किए दान

पौधरोपण में स्टेट बैंक की तरफ से क्षेत्रीय प्रबंधक गोविंद अहिरवार ने 100 पौधे, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सागर मेन अध्यक्ष निधि सुभाष जैन ने 200, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष संजीव कठल, स्व. सीताराम तिवारी, स्व. श्रीमंत नरेश चंद जैन की स्मृति में 50-50 पौधे, संहिता दुबे, कपिल दुबे, नीलांबरी हुरकट एवं श्याम सुंदर स्वर्ण लता मिश्रा ने 50-50 पौधे दिए। सुरेंद्र जैन मालथौन, आनंद मोना जैन, रोटेरियन आशीष अग्रवाल, अधिवक्ता पीसी नायक, शेफाली स्वदेश जैन, सुदीप जैन, अनूप जैन वर्षा, अखिल जैन, मुकेश लिटिल जंक्शन, मीना सुनील जैन, ऋतु पराग जैन ने भी पौधे दान किए।

मकरोनिया में 11 सौ पौधों का वृक्षारोपण

सागर। विचार समिति ने 10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया की परेड मैदान पहाड़ी में 1100 पौधों का वृक्षारोपण किया। विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण उस स्थान को वृक्षारोपण के लिए समिति द्वारा तैयार किया गया है। वृक्षारोपण के लिए समिति ने 4.6 फुट के पेड़ मंगाए हैं। पेड़ लगाने के लिए 3 फीट का गड्डा किया गया है। जिसमें तालाब की मिट्टी डाली गई है। पेड़ के साथ एक डब्बा लगाया गया है। ताकि पानी डालने पर लंबे समय तक नमी बनी रहे। हर पेड़ के साथ दानदाता के नाम की तख्ती लगाई गई है। समिति द्वारा हर पेड़ को साल में 8 बार खाद दी जाएगी। कोरोना की स्थिति को देखते हुए सभी वृक्ष मित्रों को वृक्षारोपण स्थल पर आमंत्रित नहीं किया गया। पेड़ पौधों में पानी देने व संरक्षित रखने की जबाबदारी 10वीं वाहिनी विसबल ने ली है। वृक्षारोपण दो स्थानों पर किया गया है। जिनके नाम संकल्प वन वा ओशो वन रखे गए हैं। ज्ञातव्य हो कि विचार समिति द्वारा मंगलगिरि की पहाड़ी पर 7100 वृक्ष लगाए गए थे, जो लहलहा रहे हैं। विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि समिति शहर में प्रकृति व लोगों के पर्यावरण सुधार के हर कार्य को सदा तत्पर है। इस पुनीत कार्य के प्रेरक बने बटालियन के समीर सौरभ (आईपीएस) कमांडेंट जिनकी बहुत प्रेरणा थी की यह क्षेत्र हरा भरा बने। इनके सुझाव पर पहाड़ के कटाव को रोकने एवं जल संरक्षण के लिए लंबे.लंबे ट्रेंच बनाए गए है। इस वृक्षारोपण को संपन्न करने में बटालियन से उप कमांडेंट आरती सिंह, सहायक कमांडेंट अमित कुमार बट्टी, सहायक कमांडेंट शिवाली चतुर्वेदी, मुख्य समवाय रविन्द्र साहू एवं बल के जवानों का विशेष सहयोग रहा। इस महाअभियान में मार्गदर्शक श्रीयांश जैन व राजेश सिंघईए उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, कार्यकारी

अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मुख्य संगठक नितिन पटेरिया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, कोषाध्यक्ष विनय मलैया, मनोज राय, हाकिम दाऊ, ज्योति जैन, विजयंत सिंघई, विनोद विश्वकर्मा, राम मिश्रा आदि लोगों का प्रत्यक्ष व परोक्ष सहयोग रहा है।

सहयोगी वृक्ष मित्र दानदाता: इस वृक्षारोपण में स्टेट बैंक की तरफ से क्षेत्रीय प्रबंधक गोविंद अहिरवार ने 100 वृक्षए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सागर मेन अध्यक्ष निधि सुभाष जैन 200 वृक्ष, भारत विकास परिषद अध्यक्ष संजीव कठल 50 वृक्षए स्वण् सीताराम तिवारी की स्मृति में 50 वृक्ष, स्व.श्रीमंत नरेश चंद जैन की स्मृति में 50 वृक्ष, संहिता दुबे बिटिया कपिल दुबे 50 वृक्ष, नीलांबरी हुरकट 50 वृक्ष, श्याम सुंदर स्वर्ण लता मिश्रा 50 ने वृक्ष दिए है। सुरेन्द्र जैन मालथोन, श्रीमंत आनंद मोना जैन, रोटेरियन आशीष अग्रवाल, एडवोकेट पीसी नायक, श्रीमंत शेफाली स्वदेश जैन, सुदीप जैन, अनूप जैन वर्षा, अखिल जैन, मुकेश लिटिल जंक्शन, मीना सुनील जैन, ऋतु पराग जैन का भी उल्लेखनीय वृक्षदान रहा।

जिले में अब तक 155 मि.मी. से ज्यादा औसत वर्षा दर्ज

सागर। सागर जिले में इस वर्ष 2021 में अब तक 155.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले में स्थापित वर्षामापी केन्द्रों में आंकी गई वर्षा रिकार्ड के अनुसार एक जून से आज तक केसली केन्द्र पर सर्वाधिक 393.3 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष आज दिनांक तक 98.78 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई थी। अधीक्षक, भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिले में स्थापित विभिन्न वर्षामापी केन्द्रों में 1 जून से आज दिनांक तक सागर केन्द्र में 113.7 मि.मी., जैसीनगर में 157 मि.मी., राहतगढ में 77 मि.मी., बीना में 92.8 मि.मी., खुरई में 140.5 मि.मी, मालथौन में 20 मि.मी., बण्डा में 40.2 मि.मी, शाहगढ में 74.6 मि.मी, गढ़ाकोटा में 180.6 मि.मी, रहली में 255 मि.मी., देवरी में 326.1 मि.मी. तथा केसली में 393.3 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

मीडिया कवरेज

10 वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया में रोपे गए 11 सौ पौधे

सागर, देशबन्धु। विचार समिति ने 10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया की परेड मैदान पहाड़ी में 1100 पौधों का वृक्षारोपण किया। विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण उस स्थान को वृक्षारोपण के लिए समिति द्वारा तैयार किया गया है। वृक्षारोपण के लिए समिति ने 4.6 फुट के पेड़ मंगाए हैं। पेड़ लगाने के लिए 3 फीट का गड्डा किया गया है जिसमें तालाब की मिट्टी डाली गई है। पेड़ के साथ एक डब्बा लगाया गया है ताकि पानी डालने पर लंबे समय तक नमी बनी रहे। हर पेड़ के साथ दानदाता के नाम की तख्ती लगाई गई है। समिति द्वारा हर पेड़ को साल में 8 बार खाद दी जाएगी। कोरोना की स्थिति को देखते हुए सभी वृक्ष मित्रों को वृक्षारोपण स्थल पर आमंत्रित नहीं किया गया । पेड़ पौधों में पानी देने व संरक्षित रखने की जबाबदारी 10वीं वाहिनी विसबल ने ली है। वृक्षारोपण दो स्थानों पर किया गया है जिनके नाम संकल्प वन वा ओशो वन रखे गए हैं। ज्ञातव्य हो कि विचार समिति द्वारा मंगलगिरि की पहाड़ी पर 7100 वृक्ष लगाए गए थेए जो लहलहा रहे हैं। विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि समिति शहर में प्रकृति व लोगों के पर्यावरण सुधार के हर कार्य को सदा तत्पर है। इस पुनीत कार्य के प्रेरक बने बटालियन के समीर सौरभ ;आईपीएस द्ध कमांडेंट जिनकी बहुत प्रेरणा थी की यह क्षेत्र हरा भरा बने। इनके सुझाव पर पहाड़ के कटाव को रोकने एवं जल संरक्षण के लिए लंबे.लंबे ट्रेंच बनाए गए है। इस वृक्षारोपण को संपन्न करने में बटालियन से उप कमांडेंट आरती सिंह, सहायक कमांडेंट अमित कुमार बट्टी, सहायक कमांडेंट शिवाली चतुर्वेदी, मुख्य समवाय रविन्द्र साहू एवं बल के जवानों का विशेष सहयोग रहा।

10वीं बटालियन को हरा-भरा बनाने विचार समिति ने 11 सौ पौधे लगाए

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

विचार समिति ने 10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया की परेड मैदान पहाड़ी में 1100 पौधों का वृक्षारोपण किया। विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया पहाड़ी क्षेत्र होने से इस स्थान को वृक्षारोपण के लिए तैयार किया गया है।

वृक्षारोपण के लिए 4.6 फुट के पेड़ मंगाए, पेड़ लगाने 3 फीट का गड्डा किया गया, जिसमें तालाब की मिट्टी डाली गई है। पेड़ के साथ डब्बा लगाया गया है ताकि पानी डालने पर लंबे समय तक नमी बनी रहे। हर पेड़ के साथ दानदाता के नाम की तख्ती लगाई गई है। समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि समिति शहर में प्रकृति व लोगों के पर्यावरण सुधार के हर कार्य करने को तत्पर है।

बटालियन से लगी पहाड़ी पर वृक्षारोपण करने की प्रेरणा कमांडेंट समीर सौरभ से मिली। उनके सुझाव पर पहाड़ के कटाव को रोकने एवं जल संरक्षण के लिए लंबे-लंबे ट्रेंच बनाए गए है। वृक्षारोपण कराने में उप कमांडेंट आरती सिंह, सहायक कमांडेंट अमित कुमार बट्टी, शिवाली चतुर्वेदी, रविन्द्र साहू एवं बल के जवानों का सहयोग रहा।

विचार द्वारा बटालियन में पौधारोपण किया गया

नव भारत **सागर.** विचार समिति ने 10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया की परेड मैदान पहाड़ी में 1100 पौधों का वृक्षारोपण किया. विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण उस स्थान को वृक्षारोपण के लिए समिति द्वारा तैयार किया गया है. वृक्षारोपण के लिए समिति ने 4.6 फुट के पेड़ मंगाए हैं. पेड़ लगाने के लिए 3 फीट का गड्डा किया गया है जिसमें तालाब की मिट्टी डाली गई है. पेड़ के साथ एक डब्बा लगाया गया है ताकि पानी डालने पर लंबे समय तक नमी बनी रहे.

विचार समिति ने 10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया में 1100 पौधे लगाये

सागर, आचरण संवाददाता।

विचार समिति ने 10वीं वाहिनी विसबल मकरोनिया की परेड मैदान पहाड़ी में 1100 पौधों का वृक्षारोपण किया। विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण उस स्थान को वृक्षारोपण के लिए समिति द्वारा तैयार किया गया है। वृक्षारोपण के लिए समिति ने 4-6 फुट के पेड़ मंगाए हैं। पेड़ लगाने के लिए 3 फीट का गड्ढा किया गया है जिसमें तालाब की मिट्टी डाली गई है। पेड़ के साथ एक डब्बा लगाया गया है ताकि पानी डालने पर लंबे समय तक नमी बनी रहे। हर पेड़ के साथ दानदाता के नाम की तख्ती लगाई गई है। समिति द्वारा हर पेड़ को साल में 8 बार खाद दी जाएगी। इस पुनीत कार्य के प्रेरक बने बटालियन के समीर सौरभ (आईपीएस) कमांडेंट जिनकी बहुत प्रेरणा थी की यह क्षेत्र हरा भरा बने। इनके सुझाव पर पहाड़ के कटाव को रोकने एवं जल संरक्षण के लिए लंबे-लंबे ट्रेंच बनाए गए है। इस वृक्षारोपण को संपन्न करने में बटालियन से उप कमांडेंट आरती सिंह, सहायक कमांडेंट अमित कुमार बट्टी, सहायक कमांडेंट शिवाली चतुर्वेदी, मुख्य समवाय रविन्द्र साहू एवं बल के जवानों का विशेष सहयोग रहा। इस महाअभियान में मार्गदर्शक श्रीयांश जैन व राजेश सिंघई, उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मुख्य संगठक नितिन पटेरिया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, कोषाध्यक्ष विनय मलैया, मनोज राय, हाकिम दाऊ, ज्योति जैन, विजयंत सिंघई, विनोद विश्वकर्मा, राम मिश्रा आदि लोगों का प्रत्यक्ष व परोक्ष सहयोग रहा है। इस वृक्षारोपण में स्टेट बैंक की तरफ से क्षेत्रीय प्रबंधक गोविंद अहिरवार ने 100 वृक्ष, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सागर मेन अध्यक्ष निधि सुभाष जैन 200 वृक्ष, भारत विकास परिषद अध्यक्ष संजीव कठल 50 वृक्ष, स्व. सीताराम तिवारी की स्मृति में 50 वृक्ष , स्व. श्रीमंत नरेश चंद जैन की स्मृति में 50 वृक्ष, संहिता दुबे बिटिया कपिल दुबे 50 वृक्ष, नीलांबरी हुरकट 50 वृक्ष, श्याम सुंदर स्वर्ण लता मिश्रा जी 50 ने वृक्ष दिए है। सुरेन्द्र जैन मालथौन, श्रीमंत आनंद मोना जैन, रोटेरियन आशीष अग्रवाल, एडवोकेट पीसी नायक, श्रीमंत शेफाली स्वदेश जैन, सुदीप जैन, अनूप जैन वर्षा, अखिल जैन, मुकेश लिटिल जंक्शन, मीना सुनील जैन, ऋतु पराग जैन का भी उल्लेखनीय वृक्षदान रहा।

मीडिया कवरेज

धर्म . समाज . संस्था

dainikbhaskar.com | दैनिक भास्कर सागर, रविवार, 27 जून, 2021 | 7

1500 पौधे रोपे, हाइट मीटर लगाया, हर सप्ताह नापेंगे ऊंचाई

अच्छी पहल : विचार समिति का आयोजन, पर्यावरण प्रेमी आशारानी मलैया की स्मृति में परिजन ने उठाया पूरा खर्च

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति ने मंगलगिरी में सागर का दूसरा मियावाकी वन बनाया। इसमें 3000 वर्गफीट जगह में 1500 पौधे लगाए। मंगलगिरी मियावाकी वन में जमीन को 3 से 4 फीट खोदकर उसमें सागर तालाब की मिट्‌टी डाली गई है साथ ही जैविक खाद व 12 ट्रॉली गोबर खाद डाला गया है। इसके ऊपर धान की भूसी डाली गई है। 30 किस्म के पौधे यहां रोपे गए हैं। इनमें कुछ 7 से 12 फीट ऊंचे, कुछ 10 से 20 फीट ऊंचे व बाकी 20 फीट से ऊंचे जाने वाले पौधे लगाए गए हैं। नए प्रयोग के तौर पर एक हाईट मीटर लगाया गया है। जिससे प्रत्येक सप्ताह पौधों की बढ़ोत्तरी नापी जाएगी। मियावाकी वन में 10 गुना तेज वृद्धि होती है। उम्मीद है कि यह पौधे एक वर्ष में ही 15 फीट तक ऊंचे हो जाएंगे। यह मियावाकी वन राजेश मलैया डॉ. शैफाली मलैया ने अपनी माताजी आशारानी मलैया की स्मृति में समर्पित किया है। जिसका संपूर्ण खर्चा वे ही उठा रहे हैं। स्वर्गीय आशारानी मलैया ने अपने जीवनकाल में लाखों पौधे लगवाए व अनगिनत लोगों को पौधरोपण, बागवानी की प्रेरणा दी।

मियावाकी पद्धति की यह हैं विशेषताएं

▪ 10 गुना तेज वृद्धि ▪ 30 गुना घना ▪ 100 गुना अधिक जैव विविध▪ 100 प्रतिशत जैविक ▪ 30 पेड़/100 वर्गफुट ▪ 25-50 प्रजाति की वैरायटी ▪ केवल स्थानीय किस्म के पेड़ों का इस्तेमाल ▪ 3 साल बाद कोई मेटेनेंस नहीं ▪ कीट और रोगों से खुद का बचाओ करने में सक्षम

9000 से ज्यादा पौधे रोपे गए

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया का कहना है कि मंगलगिरी स्याद्वाद ट्रस्ट का हमें हमेशा सहयोग मिलता है जिससे आज इस क्षेत्र में 9000 के लगभग पौधे हो गए हैं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया इस तरह का वन कोई भी सागरवासी 500 वर्गफीट से ज्यादा किसी भी जगह पर लगा सकता है। इच्छुक व्यक्ति की विचार समिति पूर्ण मदद करेगी। पौधरोपण में स्मार्ट सिटी सीईओ राहुल सिंह, राजकुमार मलैया एवं मलैया परिवार के सदस्य व शुभचिंतक, मंगलगिरी के पदाधिकारी प्रदीप जैन, जिनेंद्र सहित विचार के सदस्य व पदाधिकारी, जैन मिलन महावीर शाखा आदि मौजूद थे।

पत्रिका

मियावाकी पद्धति से मंगलगिरी में लगाए 1500 पौधे

मियावाकी पद्धति की विशेषताएं

- 10 गुना तेज वृद्धि
- 30 गुना घना
- 100 गुना अधिक जैव विविध
- 100 प्रतिशत जैविक
- 30 पेड़/100 वर्गफुट
- 25-50 प्रजाति वैरायटी
- केवल स्थानीय किस्म के पेड़ों का इस्तेमाल
- 3 साल बाद कोई मेटेनेंस नहीं
- कीट और रोगों से खुद का बचाओ करने में सक्षम

पत्रिका अभियान — आओ बिछाएं हरियाली की चादर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. मंगलगिरी में दूसरा मियावाकी वन बनाया है। इसमें 3000 वर्गफीट जगह में 1500 वृक्ष लगाए गए हैं। मियावाकी पद्धति एक जापानी वैज्ञानिक द्वारा सुझाई पद्धति है जिसमें एक से दो फीट की दूरी पर पेड़ लगाये जाते हैं। इसमें विभिन्न स्थानीय प्रजातियां लगाई जाती हैं। पौधे पास-पास लगने से मौसम की मार का असर नहीं पड़ता। गर्मी के दिनों में भी पेड़ के पत्ते हरे बने रहते हैं।

विचार समिति ने मंगलगिरी मियावाकी में जमीन को 3 से 4 फीट खोदकर उसमें सागर तालाब की मिट्?टी डाली गई है साथ ही जैविक खाद व 12 ट्राली गोबर खाद डाला है। इसके ऊपर धान की भूसी डाली गई है। 30 िकस्म के स्थानीय पेड़ लगाये गए हैं। पेड़ इस प्रकार के हैं जिसमें कुछ 7 से 12 फीट ऊंचे, कुछ 10 से 20 फीट ऊंचे व बाकी 20 फीट से ऊंचे जाने वाले रखे गए हैं। नए प्रयोग के तौर पर एक हाईट मीटर लगाया गया है जिससे प्रत्येक सप्ताह पेड़ों की बढ़ोत्तरी नापी जाएगी। मियावाकी वन में 10 गुना तेज वृद्धि होती है। अत: प्रयास है कि पेड़ एक वर्ष में 15 फीट से ऊंचे हो जाएं।

यह मियावाकी वन राजेश मलैया डॉ. शैफाली मलैया ने अपनी माताजी आशारानी मलैया की स्मृति में समर्पित किया है जिसका संपूर्ण खर्चा वह वहन कर रहे हैं। आशारानी मलैया ने अपने जीवनकाल में लाखों वृक्ष लगवाये व अनगिनत लोगों को पौधरोपण, बागवानी की प्रेरणा दी। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया इस तरह का वन कोई भी सागरवासी 500 वर्गफीट से ज्यादा किसी भी जगह पर लगा सकता है। इच्छुक व्यक्ति की विचार समिति पूर्ण मदद करेगी।

विचार समिति ने बनाया मियावाकी वन, मंगलगिरी में किया 1500 पेड़ों का सघन वृक्षारोपण

सागर दिनकर, सागर

विचार समिति ने मंगलगिरी में सागर का दूसरा मियावाकी वन बनाया। इसमें 3000 वर्गफीट जगह में 1500 वृक्ष लगाये गए। मियावाकी पद्धति एक जापानी वैज्ञानिक द्वारा सुझाई पद्धति है जिसमें एक से दो फीट की दूरी पर पेड़ लगाये जाते हैं। इसमें विभिन्न स्थानीय प्रजातियां लगाई जाती हैं। पौधे पास.पास लगने से मौसम की मार का असर नहीं पड़ता। गर्मी के दिनों में भी पेड़ के पत्ते हरे बने रहते हैं। मंगलगिरी मियावाकी में जमीन को 3 से 4 फीट खोदकर उसमें सागर तालाब की मिट्‌टी डाली गई है, साथ ही जैविक खाद व 12 ट्राली गोबर खाद डाला गया है। इसके ऊपर धान की भूसी डाली गई है। 30 किस्म के स्थानीय पेड़ लगाये गए हैं। पेड़ इस प्रकार के हैं जिसमें कुछ 7 से 12 फीट ऊंचे, कुछ 10 से 20 फीट ऊंचे व बाकी 20 फीट से ऊंचे जाने वाले रखे गए हैं। नये प्रयोग के तौर पर एक हाईट मीटर लगाया गया है। जिससे प्रत्येक सप्ताह पेड़ों की बढ़ोत्तरी नापी जाएगी। मियावाकी वन में 10 गुना तेज वृद्धि होती है। अतरू प्रयास है कि पेड़ एक वर्ष में 15 फीट से ऊंचे हो जायें।

यह मियावाकी वन राजेश मलैया डॉ. शैफाली मलैया ने अपनी माताजी, श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में समर्पित किया है जिसका संपूर्ण खर्चा वह वहन कर रहे हैं। स्व. श्रीमति आशारानी मलैया ने अपने जीवनकाल में लाखों वृक्ष लगवाये व अनगिनत लोगों को वृक्षारोपण, बागवानी की प्रेरणा दी। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया का कहना है कि हम चाहते हैं शहर में इस तरह के 100 से अधिक स्मृति वन बनें जिससे बुजुर्गों की याद बनी रहेगी व पर्यावरण हराभरा होगा। मंगलगिरी स्याद्वाद ट्रस्ट का हमें हमेशा सहयोग मिलता है। जिससे आज इस क्षेत्र में 9000 के लगभग पेड़ हो गए हैं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया इस तरह का वन कोई भी सागरवासी 500 वर्गफीट से ज्यादा किसी भी जगह पर लगा सकता है। इच्छुक व्यक्ति की विचार समिति पूर्ण मदद करेगी। ज्ञातव्य हो सागर का प्रथम मियावाकी लगभग एक वर्ष पूर्व नवीन कलेक्टर कार्यालय में बनाया गया था। वृक्षारोपण में स्मार्ट सिटी सीईओ राहुल सिंह, राजकुमार मलैया एवं मलैया परिवार के सदस्य व शुभचिंतक, मंगलगिरी के पदाधिकारी प्रदीप जैन, जिनेन्द्र आदि। विचार के सदस्य व पदाधिकारी, जैन मिलन महावीर शाखा, जैन मिलन प्रांतीय अध्यक्ष कमलेंद्र आदि पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

मंगलगिरी के मियावाकी वन में 15 सौ पेड़ लगाए

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

विचार संस्था की पहल

विचार समिति ने मंगलगिरी में सागर का दूसरा मियावाकी वन बनाया। इसमें 3 हजार वर्गफीट जमीन पर 1500 वृक्ष लगाये गए। मियावाकी पद्धति एक जापानी वैज्ञानिक द्वारा सुझाई पद्धति है, जिसमें एक से दो फीट की दूरी पर पेड़ लगाये जाते हैं। इसमें विभिन्न प्रजातियों के पेड़ लगाए जाते हैं। पौधे पास-पास लगने से मौसम की मार का असर नहीं पड़ता।

गर्मी के दिनों में भी पत्ते हरे बने रहते हैं। मंगलगिरी मियावाकी में जमीन को 3 से 4 फीट खोदकर उसमें तालाब की मिट्‌टी डाली गई, जैविक खाद व 12 ट्राली गोबर खाद डाला गया है। ऊपर से धान की भूसी डाली गई है। 30 किस्म के स्थानीय पेड़ लगाये गए हैं। यह मियावाकी वन राजेश मलैया, डॉ शैफाली मलैया ने अपनी मां श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में समर्पित किया है।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया का कहना है, शहर में इस तरह के 100 से अधिक स्मृति वन बनें, जिससे बुजुर्गों की याद बनी रहेगी व पर्यावरण हराभरा होगा। ज्ञातव्य है कि शहर का प्रथम मियावाकी एक वर्ष पूर्व नवीन कलेक्टर कार्यालय में बनाया गया था। वृक्षारोपण में स्मार्ट सिटी सीईओ राहुल सिंह, राजकुमार मलैया एवं मलैया परिवार के सदस्य, प्रदीप जैन सहित कई पर्यावरण प्रेमी मौजूद थे।

मंगलगिरी में 1500 पेड़ों का सघन वृक्षारोपण

सागर, आचरण संवाददाता।

विचार समिति ने मंगलगिरी में सागर का दूसरा मियावाकी वन बनाया। इसमें 3000 वर्गफीट जगह में 1500 वृक्ष लगाये गए। मियावाकी पद्धति एक जापानी वैज्ञानिक द्वारा सुझाई पद्धति है जिसमें एक से दो फीट की दूरी पर पेड़ लगाये जाते हैं। इसमें विभिन्न स्थानीय प्रजातियां लगाई जाती हैं। पौधे पास-पास लगने से मौसम की मार का असर नहीं पड़ता। गर्मी के दिनों में भी पेड़ के पत्ते हरे बने रहते हैं। मंगलगिरी मियावाकी में जमीन को 3 से 12 फीट ऊंचे, कुछ 10 से 20 फीट ऊंचे व बाकी 20 फीट से ऊंचे जाने वाले रखे गए हैं। नये प्रयोग के तौर पर एक हाईट मीटर लगाया गया है जिससे प्रत्येक सप्ताह पेड़ों की बढ़ोत्तरी नापी जाएगी। मियावाकी वन में 10 गुना तेज वृद्धि होती है। अत- प्रयास है कि पेड़ एक वर्ष में 15 फीट से ऊंचे हो जायें। यह मियावाकी वन राजेश मलैया डॉ. शैफाली मलैया ने अपनी माताजी श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में समर्पित किया है जिसका संपूर्ण खर्चा वह वहन कर रहे हैं। स्व. श्रीमति आशारानी मलैया ने अपने जीवनकाल में लाखों वृक्ष लगवाये व अनगिनत लोगों को वृक्षारोपण, बागवानी की प्रेरणा दी। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया का कहना है कि हम चाहते हैं शहर में इस तरह के 100 से अधिक स्मृति वन बनें जिससे बुजुर्गों की याद बनी रहेगी व पर्यावरण हराभरा होगा। मंगलगिरी स्याद्वाद ट्रस्ट का हमें हमेशा सहयोग मिलता है जिससे आज इस क्षेत्र में 9000 के लगभग पेड़ हो गए हैं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया इस तरह का वन कोई भी सागरवासी 500 वर्गफीट से ज्यादा किसी भी जगह पर लगा सकता है। इच्छुक व्यक्ति की विचार समिति पूर्ण मदद करेगी। ज्ञातव्य हो सागर का प्रथम मियावाकी लगभग एक वर्ष पूर्व नवीन कलेक्टर कार्यालय में बनाया गया था। वृक्षारोपण में स्मार्ट सिटी सीईओ राहुल सिंह, राजकुमार मलैया एवं मलैया परिवार के सदस्य व शुभचिंतक, मंगलगिरी के पदाधिकारी प्रदीप जैन, जिनेन्द्र आदि विचार के सदस्य व पदाधिकारी, जैन मिलन महावीर शाखा, जैन मिलन प्रांतीय अध्यक्ष कमलेंद्र आदि पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

---

2 दैनिक यलगार टाइम्स

विचार समिति ने बनाया मियावाकी वन

मंगलगिरी में किया 1500 पेड़ों का सघन वृक्षारोपण

सागर। विचार समिति ने मंगलगिरी में सागर का दूसरा मियावाकी वन बनाया। इसमें 3000 वर्गफीट जगह में 1500 वृक्ष लगाये गए। मियावाकी पद्धति एक जापानी वैज्ञानिक द्वारा सुझाई पद्धति है जिसमें एक से दो फीट की दूरी पर पेड़ लगाये जाते हैं। इसमें विभिन्न स्थानीय प्रजातियां लगाई जाती हैं। पौधे पास.पास लगने से मौसम की मार का असर नहीं पड़ता। गर्मी के दिनों में भी पेड़ के पत्ते हरे बने रहते हैं। मंगलगिरी मियावाकी में जमीन को 3 से 4 फीट खोदकर उसमें सागर तालाब की मिट्‌टी डाली गई है साथ ही जैविक खाद व 12 ट्राली गोबर खाद डाला गया है। इसके ऊपर धान की भूसी डाली गई है। 30 किस्म के स्थानीय पेड़ लगाये गए हैं। पेड़ इस प्रकार के हैं जिसमें कुछ 7 से 12 फीट ऊंचेए कुछ 10 से 20 फीट ऊंचे व बाकी 20 फीट से ऊंचे जाने वाले रखे गए हैं। नये प्रयोग के तौर पर एक हाईट मीटर लगाया गया है जिससे प्रत्येक सप्ताह पेड़ों की बढ़ोत्तरी नापी जाएगी। मियावाकी वन में 10 गुना तेज वृद्धि होती है। अत: प्रयास है कि पेड़ एक वर्ष में 15 फीट से ऊंचे हो जायें।

मीडिया कवरेज

पांच पौधों को वृक्ष के रुप में बदलने का लिया संकल्प

पत्रिका अभियान

आओ बिछाएं हरियाली की चादर

भारत विकास परिषद के तत्वाधान में हुआ पौधारोपण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. भारत विकास परिषद संस्था के तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम नरयावली विधायक के मुख्य आतिथ्य में हुआ। पौधरोपण कर वृक्ष बनाएं कार्यक्रम में 51 पौधों का रोपण 10 वीं बटालियन में किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में भारत विकास परिषद की प्रांत उपाध्यक्ष आकांक्षा मलैया ने स्वागत भाषण से किया। विधायक ने कहा की पौधारोपण कार्यक्रम वास्तव में हमें प्रकृति की ओर ले जाता है। वृक्ष और मानव एक दूसरे के पूरक हैं। वृक्ष हमारी जीवन रेखा है। प्रत्येक व्यक्ति को 5 पौधों को वृक्ष के रूप में परिवर्तित करने का संकल्प अपने जीवन में लेना चाहिए। विशिष्ट अतिथि जेठा भाई पटेल ने कहा की वृक्ष धरती का श्रंगार हैं वृक्ष ही धरती की आंखें हैं और कान है अतः हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पृथ्वी को सवारना चाहिए।

परिषद के अध्यक्ष डॉ.संजीव कठल ने कहा कि परिषद के द्वारा ऐसे रचनात्मक कार्य1963 से किए जा रहे हैं । समाज को संस्कारित करना तथा संस्कारित समाज को देश को समर्पित करना ही परिषद का मुख्य उद्देश्य है । कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमर कुमार जैन ने किया। कार्यक्रम में अमित ददरिया, श्रीनाथ नेमा, महेन्द्र साहू, दीपेश जैन, विनीत देव, प्रभाकर कडिया, अभिलाष जैन, अमर जैन, अखिलेश समैया, अनिल मुखारिया,अशोक हेला, कपिल दुबे, ज्योति सराफ, मनोज और धर्मेंद्र पटेल आदि उपस्थित थे।

युवा जैन मिलन शाखा ने रोपे 100 पौधे

सागर.युवा जैन मिलन मकरोनिया द्वारा सिद्धगुवां में पौधरोपण किया गया। तपोवन में विराजमान वैज्ञानिक संत आचार्य 108 निर्भय सागर महाराज ने कहा कि संसार में सभी जीवों के लिए प्राणवायु, फल और छाया देने वाले वृक्षों को हम जितनी बृहद मात्रा में लगाएंगे इससे जलवायु और पर्यावरण तो शुद्ध होगी इसके साथ-साथ हमें पर्याप्त मात्रा में प्राणवायु प्राप्त हो पाएगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयोजक सुकमाल जैन, प्रसन्न जैन, सुनील जैन,संयम जैन, हितेंद्र जैन, डॉ.नीरज जैन,अंशुल जैन अंकित जैन, श्रधेय जैन, दीपराज जैन,प्रदीप जैन,मुकेश जैन, जितेंद्र जैन और अमित जैन इत्यादि लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे

दैनिक भास्कर सागर, सोमवार, 28 जून, 2021

सार समाचार

आपकी खबरें :- समाज, धर्म, क्लब, एसोसिएशन, डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, नर्सेज, पुलिस, शिक्षक, चैम्बर ऑफ कॉमर्स

पहल... पौधों की सुरक्षा का संकल्प पूरा करें तो इससे बड़ी कोई मानव सेवा नहीं: लारिया

सागर | भारत विकास परिषद एवं विचार संस्था के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को पौधारोपण कर वृक्ष बनाएं कार्यक्रम में 10वीं बटालियन में 51 पौधे रोपे गए। मुख्य अतिथि नरयावली विधायक प्रदीप लारिया ने कहा यदि एक व्यक्ति 5 पौधों को वृक्ष के रूप में परिवर्तित करने का संकल्प अपने जीवन में पूरा करता है तो इससे बड़ी मानव सेवा कोई दूसरी नहीं हो सकती। विशिष्ट अतिथि जेठा भाई पटेल ने कहा वृक्ष धरती का श्रृंगार है। विचार संस्था के अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा भगवान मंदिर में और मंदिर के बाहर दोनों जगह मिलते हैं। परिषद के अध्यक्ष डॉ. संजीव कठल ने कहा कि परिषद द्वारा ऐसे रचनात्मक कार्य 1963 से किए जा रहे हैं। परिषद की प्रांत उपाध्यक्ष आकांक्षा मलैया ने स्वागत भाषण में परिषद के कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉ. अमर कुमार जैन ने किया। कार्यक्रम में अमित ददरिया, श्रीनाथ नेमा, महेंद्र साहू, दीपेश जैन, विनीत देव, प्रभाकर कंडया, अभिलाष जैन, अमर जैन, अखिलेश समैया, अनिल मुखारिया, अशोक हेला, कपिल दुबे, ज्योति सराफ मौजूद थीं।

---

6 दैनिक यलगार टाइम्स प्रादेशिक

वृक्ष और मानव एक दूसरे के पूरक हैं : लारिया

भारत विकास परिषद एवं विचार संस्था के संयुक्त तत्वाधान में पौधारोपण

सागर। भारत विकास परिषद एवं विचार संस्था के संयुक तत्वाधान में पौधारोपण कार्यक्रम नरयावली विधायक प्रदीप लारिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। पौधारोपण कर वृक्ष बनाएं कार्यक्रम में 51 पौधों का रोपण 10 वीं बटालियन में किया गया कार्यक्रम के शुभारंभ में भारत विकास परिषद की प्रांत उपाध्यक्ष आकांक्षा मलैया ने स्वागत भाषण दिया तथा भारत विकास परिषद के कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की द्य विधायक प्रदीप लारिया ने कहा की पौधारोपण कार्यक्रम वास्तव में हमें प्रकृति की ओर ले जाता है वृक्ष और मानव एक दूसरे के पूरक हैं वृक्ष हैं तो हम हैं वृक्ष हमारी जीवन रेखा है विश्व में करोड़ों लोगों को ऑक्सीजन सप्लाई यह वृक्ष ही करते हैं यदि एक व्यक्ति 5 पौधों को वृक्ष के रूप में परिवर्तित करने का संकल्प अपने जीवन में पूरा करता है तो इससे बड़ी मानव सेवा कोई दूसरी नहीं हो सकती। विशिष्ट अतिथि जेठा भाई पटेल ने कहा की वृक्ष धरती का श्रंगार है वृक्ष ही धरती की आंखें हैं और कान है अत: हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पृथ्वी को सवारना चाहिए। विचार संस्था के अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि भगवान मंदिर में और मंदिर के बाहर दोनों जगह मिलते हैं मंदिर के अंदर की पूजा तो सभी करते हैं लेकिन यदि हम मंदिर के बाहर सेवा भाव के द्वारा कार्य करते हैं तो वह भी भगवान की ही पूजा होती है। परिषद के अध्यक्ष डॉक्टर संजीव कठल ने कहा कि परिषद के द्वारा ऐसे रचनात्मक कार्य1963से किए जा रहे हैं ।समाज को संस्कारित करना तथा संस्कारित समाज को देश को समर्पित करना ही परिषद का मुख्य उद्देश्य है । इस अवसर पर माननीय विधायक प्रदीप लारिया जी ने सेमरा बाग के विद्या भारती स्कूल को ?200000 अमित सोनी ने ?51000 विचार संस्था की ओर से कपिल मलैया ने ?51000 देने की घोषणा की परिषद के सभी सदस्यों ने अभी ?5000 स्कूल को प्रदान किए हैं कार्यक्रम का संचालन डॉ अमर कुमार जैन ने किया तथा आभार आकांक्षा मलैया ने माना। कार्यक्रम में अमित ददरिया, श्रीनाथ नेमा, महेन्द्र साहू, दीपेश जैन, विनीत देव, प्रभाकर कोंडिया, अभिलाष जैन, अमर जैन, अखिलेश समैया, अनिल मुखारिया, जेठालाल जी, पंजबानी, अशोक हेला, कपिल दुबे, ज्योति सराफ, मनोज सक्सेस, धर्मेंद्र पटेल आदि उपस्थित थे।

सागर

5 प्रदेश टुडे सागर, सोमवार, 28 जून 2021

वृक्ष और मानव एक दूसरे के पूरक: विधायक लारिया

प्रदेश टुडे संवाददाता, सागर

भारत विकास परिषद एवं विचार संस्था के संयुक्त तत्वाधान में पौधारोपण कार्यक्रम नरयावली विधायक प्रदीप लारिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। पौधारोपण कर वृक्ष बनाएं कार्यक्रम में 51 पौधों का रोपण 10 वीं बटालियन में किया गया कार्यक्रम के शुभारंभ में भारत विकास परिषद की प्रांत उपाध्यक्ष आकांक्षा मलैया ने स्वागत भाषण दिया तथा भारत विकास परिषद के कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। विधायक प्रदीप लारिया ने कहा की पौधारोपण कार्यक्रम वास्तव में हमें प्रकृति की ओर ले जाता है वृक्ष और मानव एक दूसरे के पूरक हैं वृक्ष हैं तो हम हैं वृक्ष हमारी जीवन रेखा है विश्व में करोड़ों लोगों को ऑक्सीजन सप्लाई यह वृक्ष ही करते हैं यदि एक व्यक्ति 5 पौधों को वृक्ष के रूप में परिवर्तित करने का संकल्प अपने जीवन में पूरा करता है तो इससे बड़ी मानव सेवा कोई दूसरी नहीं हो सकती। विशिष्ट अतिथि जेठा भाई पटेल ने कहा की वृक्ष धरती का श्रंगार है।

वृक्ष ही धरती की आंखें हैं और कान है अतः हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पृथ्वी को सवारना चाहिए। विचार संस्था के अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि भगवान मंदिर में और मंदिर के बाहर दोनों जगह मिलते हैं मंदिर के अंदर की पूजा तो सभी करते हैं लेकिन यदि हम मंदिर के बाहर सेवा भाव के द्वारा कार्य करते हैं तो वह भी भगवान की ही पूजा होती है। परिषद के अध्यक्ष डॉक्टर संजीव कठल ने कहा कि परिषद के द्वारा ऐसे रचनात्मक कार्य1963से किए जा रहे हैं ।समाज को संस्कारित करना तथा संस्कारित समाज को देश को समर्पित करना ही परिषद का मुख्य उद्देश्य है ।इस अवसर पर माननीय विधायक प्रदीप लारिया ने सेमरा बाग के विद्या भारती स्कूल को 200000 अमित सोनी ने 51000 विचार संस्था की ओर से कपिल मलैया ने 51000 देने की घोषणा की परिषद के सभी सदस्यों ने अभी 5000 स्कूल को प्रदान किए हैं कार्यक्रम का संचालन डॉ अमर कुमार जैन ने किया तथा आभार आकांक्षा मलैया ने माना। कार्यक्रम में अमित ददरिया, श्रीनाथ नेमा, महेन्द्र साहू, दीपेश जैन, विनीत देव, प्रभाकर कंडिया, अभिलाष जैन, अमर जैन, अखिलेश समैया, अनिल मुखारिया, जेठालाल जी, पंजबानी, अशोक हेला, कपिल दुबे, ज्योति सराफ, मनोज सक्सेस, धर्मेंद्र पटेल आदि उपस्थित थे।

सागर www.sagardinkar.com | 8

वृक्ष और मानव एक दूसरे के पूरक हैं: विधायक प्रदीप लारिया

भारत विकास परिषद एवं विचार संस्था के संयुक्त तत्वाधान में पौधारोपण

सागर दिनकर, सागर

भारत विकास परिषद एवं विचार संस्था के संयुक तत्वाधान में पौधारोपण कार्यक्रम नरयावली विधायक प्रदीप लारिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। पौधारोपण कर वृक्ष बनाएं कार्यक्रम में 51 पौधों का रोपण 10 वीं बटालियन में किया गया कार्यक्रम के शुभारंभ में भारत विकास परिषद की प्रांत उपाध्यक्ष आकांक्षा मलैया ने स्वागत भाषण दिया तथा भारत विकास परिषद के कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की स विधायक प्रदीप लारिया ने कहा की पौधारोपण कार्यक्रम वास्तव में हमें प्रकृति की ओर ले जाता है वृक्ष और मानव एक दूसरे के पूरक हैं, वृक्ष हैं तो हम हैं वृक्ष हमारी जीवन रेखा है। विश्व में करोड़ों लोगों को ऑक्सीजन सप्लाई यह वृक्ष ही करते हैं यदि एक व्यक्ति 5 पौधों को वृक्ष के रूप में परिवर्तित करने का संकल्प अपने जीवन में पूरा करता है तो इससे बड़ी मानव सेवा कोई दूसरी नहीं हो सकती। विशिष्ट अतिथि जेठा भाई पटेल ने कहा की वृक्ष धरती का श्रंगार है वृक्ष ही धरती की आंखें हैं और कान है अतः हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पृथ्वी को सवारना चाहिए। विचार संस्था के अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि भगवान मंदिर में और मंदिर के बाहर दोनों जगह मिलते हैं। मंदिर के अंदर की पूजा तो सभी करते हैं लेकिन यदि हम मंदिर के बाहर सेवा भाव के द्वारा कार्य करते हैं तो वह भी भगवान की ही पूजा होती है। परिषद के अध्यक्ष डॉक्टर संजीव कठल ने कहा कि परिषद के द्वारा ऐसे रचनात्मक कार्य1963से किए जा रहे हैं। समाज को संस्कारित करना तथा संस्कारित समाज को देश को समर्पित करना ही परिषद का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर माननीय विधायक प्रदीप लारिया जी ने सेमरा बाग के विद्या भारती स्कूल को 200000 अमित सोनी ने 51000 विचार संस्था की ओर से कपिल मलैया ने 51000 देने की घोषणा की परिषद के सभी सदस्यों ने अभी 5000 स्कूल को प्रदान किए हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ अमर कुमार जैन ने किया तथा आभार आकांक्षा मलैया ने माना। कार्यक्रम में अमित ददरिया, श्रीनाथ नेमा, महेन्द्र साहू, दीपेश जैन, विनीत देव, प्रभाकर कंडिया, अभिलाष जैन, अमर जैन, अखिलेश समैया, अनिल मुखारिया, जेठालाल, पंजबानी, अशोक हेला, कपिल दुबे, ज्योति सराफ, मनोज सक्सेस, धर्मेंद्र पटेल आदि उपस्थित थे।

सागर शहर

सागर, सोमवार, 28 जून 2021 | 2

पौधरोपण। भारत विकास परिषद एवं विचार संस्था के संयुक्त तत्वावधान में किया गया पौधरोपण

वृक्ष और मानव एक दूसरे के पूरक हैं : लारिया

आचरण संवाददाता।

सागर। भारत विकास परिषद एवं विचार संस्था के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम नरयावली विधायक प्रदीप लारिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

पौधरोपण कर वृक्ष बनाएं कार्यक्रम में 51 पौधों का रोपण सागर के मकरोनिया की 10 वीं बटालियन में किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ में भारत विकास परिषद की प्रांत उपाध्यक्ष आकांक्षा मलैया ने स्वागत भाषण दिया तथा भारत विकास परिषद के कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि पौधरोपण कार्यक्रम वास्तव में हमें प्रकृति की ओर ले जाता है वृक्ष और मानव एक दूसरे के पूरक हैं, वृक्ष हैं तो हम हैं, वृक्ष हमारी जीवन रेखा है। विश्व में करोड़ों लोगों को ऑक्सीजन सप्लाई यह वृक्ष ही करते हैं यदि एक व्यक्ति पांच पौधों को वृक्ष के रूप में परिवर्तित करने का संकल्प अपने जीवन में पूरा करता है तो इससे बड़ी मानव सेवा कोई दूसरी नहीं हो सकती। विशिष्ट अतिथि जेठा भाई पटेल ने कहा की वृक्ष धरती का श्रृंगार है वृक्ष ही धरती की आंखें हैं और कान है अतः हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पृथ्वी को संवारना चाहिए। विचार संस्था के अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि भगवान मंदिर में और मंदिर के बाहर दोनों जगह मिलते हैं मंदिर के अंदर की पूजा तो सभी करते हैं लेकिन यदि हम मंदिर के बाहर सेवा भाव के द्वारा कार्य करते हैं तो वह भी भगवान की ही पूजा होती है। परिषद के अध्यक्ष डॉक्टर संजीव कठल ने कहा कि परिषद के द्वारा ऐसे रचनात्मक कार्य 1963 से किए जा रहे हैं। समाज को संस्कारित करना तथा संस्कारित समाज को देश को समर्पित करना ही परिषद का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया ने सेमरा बाग के विद्या भारती स्कूल को दो लाख, अमित सोनी ने 51 हजार, विचार संस्था की ओर से कपिल मलैया ने 51 हजार रुपए देने की घोषणा की। परिषद के सभी सदस्यों ने अभी रुपए 5000 स्कूल को प्रदान किए हैं कार्यक्रम का संचालन डॉ.अमर कुमार जैन ने किया तथा आभार आकांक्षा मलैया ने माना। कार्यक्रम में अमित ददरिया, श्रीनाथ नेमा, महेन्द्र साहू, दीपेश जैन, विनीत देव, प्रभाकर कंडिया, अभिलाष जैन, अमर जैन, अखिलेश समैया, अनिल मुखारिया, जेठालाल जी, पंजवानी, अशोक हेला, कपिल दुबे, ज्योति सराफ, मनोज सक्सेस, धर्मेंद्र पटेल आदि उपस्थित थे।

॥विचार समिति॥

(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti

Bank- State Bank of India

Account No.- 37941791894

IFSC code- SBIN0000475

Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi

आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए

QR कोड को स्कैन करें.

BHIM | UPI

VICHAR SAMITI

0980143132

Pay With Any App

G Pay Paytm PhonePe WhatsApp amazon

150+ Apps

Powered By: BharatPe

- संपर्क -

Website : vicharsanstha.com

Facebook : Vichar Sanstha

Youtube : Vichar Samachar

Ph. No. : 9575737475, 9009780042, 07582-224488

Address : 258/1, Malgodam Road, Tilakganj Ward, Behind Adinath Cars Pvt. Ltd, Sagar (M.P.) 470002